SRU WORLD

अंक : प्रथम | माह : जनवरी 2023 | पृष्ठ : 40

TOGETHER
WE BUILD
YOUR FUTURE

शिक्षा का नया अध्याय

COURSES OFFERED

किफायती फीस एवं 118 कोर्स के साथ मध्यभारत का तेजी से उभरता हुआ शिक्षण संस्थान

ENGINEERING
- Diploma
- B. Tech.
- M. Tech.
- B.Tech+M. Tech. (Integrated)

SCIENCE & IT
- B.Sc.
- B.Sc. (Hons)
- M.Sc.
- B.Sc. (C.S.)
- M.Sc. (C.S.)
- D.C.A.
- P.G.D.C.A.
- B.C.A.
- M.C.A.

ARTS
- B.A.
- B.A. (Hons)
- M.A.
- B.S.W.
- M.S.W.

PHARMACY
- D. Pharmacy
- B. Pharmacy

LIBRARY & INFO. SCIENCE
- B. Lib. & I. Science
- M. Lib. & I. Science

EDUCATION
- Diploma in Special Education
- B. Ed. Spl. Education
- Bachelor of Physical Education
- BPES
- MPES

FASHION & INTERIOR DESIGN
- Diploma
- P.G. Diploma
- B. Sc.
- M. Sc.
- B. A.
- M.A.

JOURNALISM & MASS COM.
- B.J.
- M.J.
- B. A. (JMC)
- M. A. (JMC)

YOGA
- Diploma in Yoga
- P.G. Diploma in Yoga
- B.A. (Yoga)
- M. A. (Yoga)
- B.Sc. (Yoga)
- M. Sc (Yoga)

LAW
- B.A. LLB.
- B.COM. LLB.
- L.L.B
- L.L.M.

PART -TIME
- Diploma
- B. Tech.
- M.Tech.
- M.B.A.
- Ph. D.
- B. Ed.

COMMERCE & MANAGEMENT
- B. Com.
- B. Com. (Hons.)
- M. Com.
- B.B.A.
- B.B.A. (Integrated)
- M.B.A.
- Executive M.B.A.
- B.B.A.+M.B.A. (Integrated)
- PG Diploma

B. VOC and M. VOC in
- Medical Lab Technology
- Medical Imaging Technology
- Patient Care Assistant
- Dialysis Technology
- Data Entry Operator
- Refrigeration & Airconditioning
- Cookery

HEALTH & ALLIED SCIENCES
- Bachelor of Optometry
- Master of Optometry

HOTEL MANAGEMENT
- Diploma in Hotel Management
- B.B.A (HM)
- B.H.M.C.T.
- M.B.A (HM)

RESEARCH
- Ph. D.

संपादक की कलम से

"शिक्षा भंगुर मानव-मात्र को अमरत्व प्रदान करने का सरलतम मार्ग है क्योंकि मात्र शिक्षा ही वह साधन है जो एक जड़ समाज में प्रबोध के नव-सृजन का अंकुरण करती है। प्रज्ञा-बोध का उत्सर्ग करके कोई मानव समाज आत्मोत्कर्ष की जीवन यात्रा का पथिक नहीं बन सकता, अर्थात शिक्षा व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है।"

प्रिय स्वजन, आत्यंतिक हर्ष का विषय है कि अनन्तविभूषित श्री रविशंकर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से विश्वविद्यालय द्वारा 'अंकुर' का प्रथम अंक जनवरी मास में प्रकाशित किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय परिवार के बहुआयामी छवि का दिग्दर्शन होगा। वस्तुतः यह पत्रिका विद्यार्थियों के साथ ही प्राध्यापकों के अभिव्यक्ति और कृतित्व को एक दीप्त-पटल प्रदान करने की एक सकारात्मक पहल है। इस दिव्य विद्या-मंदिर में विचारों-विमर्शों, शोध कार्यों और अभिनव दृष्टिकोणों के माध्यम से नवांकुरित विचार माला और प्रबोध सृजन का संरक्षण इस पत्रिका के विविध अंकों में अनवरत दृष्टिगत होगा। इस पत्रिका में काव्य, लेख, निबंध, शोध सारांश आदि का संकलन करने का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों , लेखकों और पाठकों के चेतन मन में अन्तर्निहित कृतित्व कौशल को निखारना है; साथ ही विश्वविद्यालय में संपन्न गौरवपूर्ण गतिविधियों के प्रकाशन से शिक्षार्थी मन को प्रेरित करना है। इसीलिए इस अंक में प्रेरणाप्रद साक्षात्कार, विश्वविद्यालयीय उपलब्धियां, शीर्षस्थ मनीषियों व पदाधिकारियों के प्रेरक सन्देश, शैक्षणिक अनुसन्धान, विद्यार्थियों व शिक्षकों की रचनाएँ तथा उपलब्धियां; विभिन्न कार्यक्रम, यथा - राष्ट्रीय सेवा योजना , राष्ट्रीय कैडेट कोर , योग, खेल, उन्नत भारत अभियान आदि का तथ्यपूर्ण विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यह पत्रिका विश्वविद्यालयीय सांस्कृतिक विरासत का रंग-मंच सिद्ध होगी, जिसमें आपकी अहर्निश भागीदारी अपेक्षित है।

- डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

सम्पादकीय समिति

प्रेरणाश्रोत :
परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज

श्री हर्ष गौतम
प्रति-कुलाधिपति

प्रो. एस. के. सिंह
कुलपति

श्री मनोज कुमार सिंह
कुलसचिव प्रभारी

संपादक
डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

सह संपादक
हिना परवीन

ग्राफिक्स डिज़ाइन
दिनेश कुमार सिन्हा

छायाचित्र
शुभम नामदेव

सम्पादकीय परामर्शदाता मण्डल
डॉ. मनीष वर्मा
डॉ. सविता वर्मा
डॉ. आर. पी. रजवाड़े
डॉ. नरेश गौतम
श्री योगमय प्रधान

राज्य - गीत

छत्तीसगढ़ महतारी

अरपा पैरी के धार, महानदी हे अपार
इंदरावती हा पखारय तोर पईयां
महूं पांवे परंव तोर भुंइया
जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मईया

सोहय बिंदिया सहीं, घाट डोंगरी पहार
चंदा सुरूज बनय तोर नैना
सोनहा धाने के अंग, लुगरा हरियर हे रंग
तोर बोली हावय सुग्घर मैना
अंचरा तोर डोलावय पुरवईया
महूं पांवे परंव तोर भुंइया
जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मईया

रयगढ़ हावय सुग्घर, तोरे मउरे मुकुट
सरगुजा अउ बिलासपुर हे बइहां
रयपुर कनिहा सही, घाते सुग्घर फबय
दुरूग बस्तर सोहय पैजनियां
नांदगांव नवा करधनियां
महूं पांवे परंव तोर भुंइया
जय हो जय हो छत्तीसगढ़ मईया

- डॉ. नरेन्द्र देव वर्मा

"हम ऐसी शिक्षा चाहते हैं
जिससे चरित्र का निर्माण हो,
मन की शक्ति बढ़े,
बुद्धि का विकास हो और
जिससे व्यक्ति अपने पैरों
पर खड़ा हो सके।"

अनंत श्री विभूषित
रविशंकर जी महाराज

विश्वविद्यालय की यात्रा

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय (SRU) की स्थापना अनंत श्री विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज के आशीर्वाद से 2018 में छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) अधिनियम 2005 के तहत की गई थी। विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम-1956 के 2(एफ) और 12(बी) के तहत स्वीकृति प्राप्त की है। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय धारा 12(बी) के तहत मान्यता प्राप्त देश के 13 निजी विश्वविद्यालयों में शामिल है। विश्वविद्यालय इंजीनियरिंग, प्रबंधन, फार्मेसी, वाणिज्य, विज्ञान और कला धाराओं में डिप्लोमा, स्नातक, स्नातकोत्तर और शोध (पीएचडी) कार्यक्रमों की पेशकश करने वाला एक बहु-विषयक संस्थान है।

विश्वविद्यालय की स्थापना शैक्षणिक एवं शोध गुणवत्ता प्रदान करके मानव कल्याण को बढ़ावा देने के मिशन के साथ की गई है। छत्तीसगढ़ के इस आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा के इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए, हम विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा,सर्वसुविधायुक्त संकाय, योग्य और अनुभवी व्याख्याता, अनुसंधान प्रयोगशालाएं, परिणाम-आधारित शिक्षा प्रणाली और एक अनुकूल और समृद्ध शैक्षणिक वातावरण प्रदान करने के लिए लगातार प्रतिबद्ध हैं। विश्वविद्यालय 65 एकड़ हरी-भरी भूमि में फैला हुआ है और उद्योग और शोधकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के शिक्षण संबंधी कार्यक्रमों की पेशकश कर रहा है। हम अपने सह पाठयक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ में उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। विश्वविद्यालय अपने छात्रों को वांछित ज्ञान, कौशल और क्षमता के विकास के लिए भी लगातार प्रयासरत हैं ताकि वे कॉर्पोरेट जगत और समकालीन समाज की चुनौतियों का आत्मविश्वास से मुकाबला कर सकें। विश्वविद्यालय में स्थापना के इन पाँच सालों में अब तक 8 हजार छात्र शामिल हो चुके हैं।

प्रोफेसर एमेरिटस

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक मानकों में सुधार करने और शिक्षण और अधिगम की प्रक्रिया में उच्च गुणवत्ता वाले मानकों को पूरा करने के लिए विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग में प्रोफेसर एमेरिटस और विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड वाले वरिष्ठ शिक्षाविदों को नियुक्त किया है।

प्रो. बी.पी. सिंह

प्रो. बी.पी. सिंह वाणिज्य और व्यवसाय संकाय, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में पूर्व प्रोफेसर, प्रमुख और डीन और व्यावसायिक कार्यक्रम निदेशक हैं और उनके पास शिक्षण और अनुसंधान का 40 से अधिक वर्षों का अनुभव है।

प्रो हरीश चंद्र चौधरी

प्रो हरीश चंद्र चौधरी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के प्रबंधन अध्ययन संस्थान के पूर्व प्रोफेसर, डीन और प्रमुख हैं

प्रो. गणेश कावड़िया

प्रोफेसर गणेश कावड़िया पूर्व प्रोफेसर और स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर के प्रमुख हैं।

प्रो. एन.के. जैन

प्रो. एन.के. जैन ने कई प्रतिष्ठित फार्मेसी कॉलेजों के प्रोफेसर और प्राचार्य के रूप में काम किया है। उनके पास 40 से अधिक वर्षों का शिक्षण अनुभव है।

प्रो. के.पी. सिंह

प्रो. के.पी. सिंह प्रोफेसर एमेरिटस, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बीएचयू, वाराणसी के रूप में कार्यरत हैं। वह पूर्व में आईटी बीएचयू के प्रोफेसर और निदेशक थे। और बीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के कुलपति और एचबीटीआई कानपुर के निदेशक भी है।

प्रो. वीरेंद्र कुमार कुमरा

प्रो वीरेंद्र कुमार कुमरा ने बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के विज्ञान संस्थान, भूगोल विभाग के प्रोफेसर और प्रमुख के रूप में काम किया है। और बीएचयू में रजिस्ट्रार और डीन छात्र कल्याण के रूप में सेवा की।

विश्वविद्यालय में विशाल प्लेसमेंट, विगत दो माह में 90 से अधिक विद्यार्थी हुए चयनित ...

छात्रों को मिला साल का 8 लाख पैकेज ऑफर...

अक्षय साहू

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में "बायजूस" के द्वारा प्लेसमेंट आयोजित किया गया। प्लेसमेंट में एमबीए के छात्र अक्षय साहू और उत्कर्ष सिंह को चयनित किया गया। उल्लेखनीय है की छात्रों को साल के 8 लाख पैकेज ऑफर के साथ अब तक का सबसे ऊँचा पैकेज प्राप्त हुआ है।

छात्रों के लिए प्लेसमेंट प्रक्रिया व्यक्तिगत साक्षात्कार के माध्यम से पूरी की गई। जिसमें छात्र अक्षय साहू और उत्कर्ष सिंह को

उत्कर्ष सिंह

"बायजूस" के द्वारा बिज़नेस डेवलपमेंट ऑफिसर के पद पर चयनित किया गया। बता दें की विश्वविद्यालय में "बायजूस" के द्वारा प्लेसमेंट 11 जनवरी 2023 को आयोजित किया गया था और छात्रों को 15 जनवरी को ऑफर लेटर दिया गया।

विश्वविद्यालय अपने छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराने के लिए प्लेसमेंट के अवसर प्रदान कर रहा है। विगत दो माह में विश्वविद्यालय के 90 से अधिक विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ। विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित विविध राष्ट्रीय एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में कठोर प्रतिस्पर्धा कर प्रतियोगी छात्र एवं छात्राओं ने 2.5 लाख से 8 लाख तक की सैलरी पैकेज प्राप्त करने में सफलता अर्जित की है। प्लेसमेंट का आयोजन करने वाली प्रमुख कम्पनियां- टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड, अपोलो फार्मेसी, ,अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बायजूस (एजुकेशन टेक्निकल कम्पनी), एयरटेल, प्रिज्म मेडिकल एंड फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड, बंधन बैंक,इंडसइंड बैंक, वन्दना ग्रुप ऑफ़ कम्पनीस, शांति- जी डी ग्रुप, श्री गणेश विनायक नेत्र चिकित्सालय, एचडीबी फनाईसेस सर्विसेस, जॉनसन लिफ्ट प्राइवेट लिमिटेड, सदर लैंड गोलबल लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, यशम सॉफ्टवेयर, इंफोसिस, इंटेलीपाथ, स्नाइडर इलैक्ट्रिक ग्रुप, एक्स्ट्रामार्क, डॉ. रेडिस लैब, वर्चुसा सॉफ्टवेयर, ब्लू स्टोन ज्वैलरी, रिलाइंस ब्रांड, इंडिया मार्ट,नवभारत ग्रुप- टेक्ज़ा सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, श्री शिवम द ट्रुगेदरनेस स्टोर, हयात डाइनिंग क्लब, रैडिसन ब्लू होटल्स एंड रिसॉर्ट्स, प्रोग्रामिक्स टेक्नोलॉजी, लाइफ फिटनेस 24x7, सन स्काई फार्मा इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, रैप्रोस फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, एलिजियम फॉर्मासिटिकल प्राइवेट लिमिटेड, संपर्क इन्फोवेज,टेक्नोटास्क बिजनेस सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड,एलेअशन.कॉम, टालमैन समूह, क्रायोविवा बायोटेक,एसएमसी हृदय संस्थान और आईवीएफ अनुसंधान केंद्र, लोक कल्याण ट्रस्ट, टाइटन आई प्लसआदि हैं।

2.5 लाख से 8 लाख सैलरी पैकेज का प्रस्ताव

टोयोटा में हुआ 6 छात्रों का प्लेसमेंट, 11 प्रशिक्षण के लिए चयनित...

टीकेएम प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्लेसमेंट में आईटीआई टेक्नीशियन एवं डिप्लोमा मैकेनिकल के छात्रों ने भाग लिया। जिसमें दावेश कुमार निषाद, किशोर मंडल, गीतेश्वर कुमार साहू, नवीन पटेल का सर्विस कंसल्टेंट के रूप में काइज़ेन टोयोटा रायपुर में चयन हुआ और प्रफुल्ल कुमार,तुर्केश्वर साहू का जेडी टोयोटा में चयन हुआ। इसके साथ ही सोवन नायक,जतिन जेठवा, किशोर मंडल,चेतेश्वर साहू,तरुण वर्मा,देवेश कुमार निषाद, नवीन कुमार पटेल,गीतेश कुमार वर्मा, तुकेश्वर साहू,प्रफुल्ल कुमार, कृष्ण कुमार प्रशिक्षण में चयन किया गया था। इन सभी छात्रों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्लेसमेंट में चयनित विद्यार्थी

Bharat Sahu
BDM
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Santosh Kumar Swaim
BDM
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Pooja Karsh
Yoga Teacher
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Ayushi Urkude
Yoga Teacher
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Nandini Heada
Yoga Teacher
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Shivam Janghel
Yoga Teacher
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Saransh Nand
Tele Caller Marketing
Shri Ganesh Vinayak Eye Hospital

Divya Prakashan
Community Building
StratAZy

Kuldeep Dwivedi
Drone Pilot
Navbharat Group

Aman Patanwar
Drone Pilot
Navbharat Group

Akshay Kumar Sahu
Trainee : Drone Pilot
Navbharat Group

Ankit Kumar Kushwaha
Trainee : Drone Pilot
Navbharat Group

Liladhar
Trainee : GIS Engineer
Navbharat Group

Sahil
Digital Marketing
Programmics Technology

Prachi Vaishnav
CSE - operation department
Technotask Business Solutions Pvt. Ltd.

Omprakash Sahu
CAE project engineer
ELEATION.com

Sudipto Sana
CAE project engineer
ELEATION .com

priyanka nag
CAE project engineer
ELEATION .com

Himanshi Pal
pharmacist
APOLLO Pharmacy

Lalit kumar sahu
pharmacist
APOLLO Pharmacy

Ayush Chandrakar
BDM
TEACHNOOK

Chandrashekhar
Mechanical engineer apprenticeship
UltraTech Cement Ltd.

Yogendra Kumar Oyam
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Bulbul Roy
Relationship executive
Cryoviva Biotech

Anisha Chandel
BDM Trainee
Byjus

Arun Kumar Sahu
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

omkar yadav
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Kavita bisen
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

PRIYANKA MANDAL
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Pronoti Rani Nag
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Twinkle Chandrakar
HR Manager
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Ayesha Anjum Khan
Hr Executive
Aekansh Digimaa

Anjali Kaushal
HR Intern
Aekansh Digimaa

Priti Patel
Relationship Executive
Cyoviva Biotech

kaveri Sahu
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

Nupesh Singh Thakur
Trainee Pharmcist
Prism Medical and Pharmacy Pvt. Ltd.

विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुई राज्यपाल
डिग्री पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे...

विश्वविद्यालय में । जुलाई शुक्रवार को प्रथम दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया। दीक्षांत समारोह में छत्तीसगढ़ प्रदेश की महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष सुश्री अनुसुइया उइके शामिल हुईं। प्रथम दीक्षांत समारोह श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री रविशंकर महाराज जी के आशीर्वाद से विश्वविद्यालय परिसर के गोविंद कल्याण मण्डपम में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय एवं जल शक्ति विभाग प्रहलाद सिंह पटेल उपस्थित रहे। साथ ही विशेष अतिथि विधानसभा अध्यक्ष चरण दास महंत ,खाद्य योजना एवं संस्कृति मंत्री अमरजीत भगत, स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम, भिण्ड सांसद संध्या राय, रायपुर सांसद सुनील कुमार सोनी शामिल हुए। विश्वविद्यालय द्वारा प्रथम दीक्षांत समारोह में पद्म विभूषण डॉ. के कस्तूरीरंगन, पदम् श्री वैद्य राजेश कोटेचा, न्यायाधीश (सेवानिवृत्त), श्री अशोक भूषण, पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई को मानद उपाधि प्रदान की गई। सभा को संबोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल ने कहा कि, "श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल होने पर मुझे अत्यधिक आनंद की अनुभूति हो रही है। निश्चित ही गुरुकुल परंपरा को आत्मसात करते हुए यह विश्वविद्यालय आधुनिक ज्ञान की ओर अग्रसर है। इस विश्वविद्यालय का सुरम्य नैसर्गिक एवं आध्यात्मिक वातावरण यहाँ अध्ययन एवं अध्यापन का एक बेहतर वातावरण निर्मित करता है। इस प्राकृतिक और आध्यात्मिक परिसर में दीक्षित होकर निकले विद्यार्थियों को

मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। आज दीक्षा उपाधि पाने वाले सभी विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि वे देश के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी का निर्वहन करते हुए अपना, अपने परिवार एवं अपने गुरुजनों को गौरवान्वित करेंगे और साथ ही वे सत्य के मार्ग पर चलते हुए यश और प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे।"मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने अपने वीडियो सन्देश में कहा कि, "श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर के लिए आज का यह प्रथम दीक्षान्त समारोह बहुत ही महत्वपूर्ण आयोजन है। इस आयोजन के माध्यम से यह विश्वविद्यालय आज शिक्षा जगत में अपनी प्रतिभा एवं प्रतिष्ठा का मंगल शंखनाद कर रहा है। दीक्षान्त समारोह का यह क्षण पुरूषार्थ से परमार्थ की साधना का साक्षी बनने जा रहा है। अनंत विभूषित श्री रविशंकर जी महाराज श्री रावतपुरा सरकार की लोक कल्याण की भावना का बीजरूप संकल्प आज साकार रूप धारण करने जा रहा है। आज इस विश्वविद्यालय के आचार्यों एवं विद्यार्थियों की शाश्वत साधना फलीभूत, संकल्पित एवं समादृत होने जा रही है। आज के इस दीक्षांत समारोह में उन प्रतिभाओं को सम्मानित किया जा रहा है, जिन्होंने अपने प्रखर पुरुषार्थ से सफलता के नित नवीन कीर्तिमान स्थापित किये है। आज का यह भव्य दीक्षांत समारोह पुरस्कृत हो रहे विद्यार्थियों के परिश्रम, प्रतिभा एवं पुरुषार्थ को विश्व पटल पर स्थापित करने का माध्यम है।"श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री रविशंकर महाराज जी ने कहा कि, प्रथम दीक्षांत समारोह के अवसर पर मंच में आसीन सम्माननीय अतिथियों, विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों, उपाधियां लेने वाले और वर्तमान में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों को देख कर मन गदगद हो गया है। एक ऐसा भाव उमड़ रहा है जैसे अपने परिवार के समस्त सदस्यों के मध्य एक माँ मातृत्व बोध से अभिभूत हो जाती है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 2018 में हुई, जिसकी स्थापना का उद्देश्य अध्ययन, शिक्षण एवं प्रशिक्षण का एक ऐसा विलक्षण वातावरण बनाना था जहां विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा को सीखे, विज्ञान को समझें, आधुनिक विषयों को भी जाने साथ ही साथ धर्म, संस्कृति, मानवता और अध्यात्म को भी अपने जीवन में स्थान दे। विद्यार्थी अपने जीवन में आधुनिकता के साथ ही भारतीय संस्कृति को भी आत्मसात करे, यही इस विश्वविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य रहा है। इसलिए इस परिसर में अलग-अलग विषयों की आधुनिक प्रयोगशालाओं के साथ ही यज्ञशाला तथा गौशाला की भी स्थापना की गई है। अध्ययन अध्यापन के मध्य निरंतर पवित्र वैदिक मंत्रों के मधुर शब्द उच्चारित होते है। इन्हीं विशेषताओं के साथ यह परिसर विकसित होता गया और आज हमसब पहला दीक्षांत समारोह मना रहे हैं।"श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय में सत्र 2018, 2019, एवं 2020 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को उपाधियाँ दी गई, जिसमें 1040 उपाधि और 25 स्वर्णपदक से छात्रों को सम्मानित किया गया।

पद्म विभूषण डॉ. के. कस्तूरीरंगन मानद उपाधि से सम्मानित...

डॉ. के. कस्तूरीरंगन विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह में डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्राप्त करते हुए

विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक पद्म विभूषण डॉ. कृष्णस्वामी कस्तूरीरंगन जी को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में 1 जुलाई 2022 को मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण था, जब देश के ऐसे महान व्यक्तित्व ने विश्वविद्यालय द्वारा दी गई मानद उपाधि को स्वीकार किया और दीक्षांत समारोह में शामिल होकर छात्र-छात्राओं के मार्गदर्शन किया। प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन (जन्म 24 अक्टूबर 1940) ने 1994 से 2003 तक भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) का नेतृत्व किया है। वे नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस स्टडीज, बैंगलोर के अप्रैल 2004 से 2009 तक निदेशक भी थे तथा वर्तमान में राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय कुलाधिपति हैं। वे 'जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय' के पूर्व चांसलर और 'कर्नाटक ज्ञान आयोग' के अध्यक्ष हैं। वे राज्य सभा (2003-09) और भारत के 'योजना आयोग' के पूर्व सदस्य हैं। वे भारत सरकार द्वारा तीन श्रेष्ठ नागरिक पुरस्कार-पद्म श्री (1982), पद्म भूषण (1992) और पद्म विभूषण (1992) से सम्मानित हैं। उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में उन्होंने नई पीढ़ी के अंतरिक्ष यान, भारतीय राष्ट्रीय उपग्रह (इन्सैट-2) तथा भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह (आईआरएस-1ए व 1बी) और साथ ही, वैज्ञानिक उपग्रहों से संबंधित गतिविधियों का सर्वेक्षण किया। वे भारत के प्रथम दो प्रायोगिक भू-प्रेक्षण उपग्रह, भास्कर- I व II के परियोजना निदेशक भी थे और बाद में प्रथम संक्रियात्मक भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह, आईआरएस-1ए के समग्र निर्देशन की जिम्मेदारी सँभाली। वह भारत के पहले प्रयोगात्मक पृथ्वी अवलोकन उपग्रहों, (भास्कर प्रथम और द्वितीय) के लिए परियोजना निदेशक थे। उनके नेतृत्व में भारत के प्रतिष्ठित प्रक्षेपण वाहन - ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान(PSLV) और भूस्थिर उपग्रह प्रक्षेपण यान(GSLV) का सफल प्रक्षेपण एवं संचालन हुआ। उनकी अगुआई में भारत ने चन्द्रयान-१ का सफल प्रक्षेपण किया, जिसे मील के पत्थर के रूप में देखा जाता है। उन्होंने खगोल-विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान, अंतरिक्ष कार्यक्रम के विविध क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 200 से अधिक आलेख प्रकाशित किए हैं और 6 पुस्तकों को संपादित किया है। उन्होंने अपनी विलक्षण प्रतिभा और कार्यशीलता के फलस्वरूप अनेक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पुरस्कार एवं उपाधियां अर्जित की हैं। विश्विवद्यालय परिवार विशेषतः विद्यार्थी एवं शोधार्थी उनकी उपस्थिति से प्रेरित एवं गौरवान्वित हुए।

रामन अनुसंधान संस्थान
RAMAN RESEARCH INSTITUTE

K. KASTURIRANGAN
Former Chairman, ISRO
Former Chairman, National Education Policy Committee
Chairman, National Steering committee for National Curriculum frameworks

Anant Shri Vibhushit Shri Ravi Shankar Ji Maharaj July 09, 2022
The Chancellor
Shri Rawatpura Sarkar University
Dhanoli Post-Manoj
Raipur, Chhattisgarh 492015

Parampujya Anantshri Vibhusit Shri Ravi Shankar Ji Maharaj Swamiji,

I write this letter to the revered Swami ji with my very deep feelings for giving me the honour to come to Raipur with its forward-looking citizens, and an opportunity to pay my respects to Swamiji which you facilitated by giving me a special audience. In the process, I also had the privilege of knowing about this great institution of learning which you have created out of your vision and now in the process of being guided and nurtured by you towards achieving its noble goals. I am very grateful to Swamiji for extending the extraordinary gesture of conferring an Honorary Doctorate in the very first convocation of Shri Rawatpura Sarkar University a futuristic centre of knowledge creation and erudition.

For me attending this first convocation and receiving the honorary Doctorate both from Her Excellency the Hon'ble governor and your Divine hand is truly a memorable event in my long association with the University Systems of our country. The entire environment as experienced by me in my visit to the University was full of all-pervading wisdom, extraordinary display of knowledge, ensuring high-degree of excellence and a perchance for perfection and above all a culture of love and down-to-earth pragmatism in life. The youngsters who are passionate about learning and making life truly a noble mission for themselves their practice of Indian ethos, legacy and several aspects of heritage was pleasantly a welcome feature of your University. For all these and many others, Revered Swamiji, I owe the vision to your respected self.

I would be failing in my duty if I do not express my appreciation to my very dear friend and valued colleague Prof. D P Singh for facilitating my connection with your divine self and the institutions build out of your vision. I take this opportunity to once again pay my respects to you and also at the same time pray the Almighty to give all the outcomes of your great vision to benefit the nation particularly its youth.

With my deep respects.

Sincerely Yours,

(K. Kasturirangan)

श्री रावतपुरा सरकार निजी आईटीआई का प्रथम दीक्षांत समारोह

विश्वविद्यालय रायपुर में 17 सितम्बर को श्री रावतपुरा सरकार निजी आईटीआई का प्रथम दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। प्रथम दीक्षांत समारोह श्री रावतपुरा सरकार संस्थान के अध्यक्ष परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज के आशीर्वाद से विश्वविद्यालय परिसर के श्री साईं राम प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ शंख की ध्वनियों और शोभा यात्रा के साथ की गई। शोभा यात्रा में सभी अतिथिगण, प्रति कुलाधिपति, कुलपति, कुलसचिव, आईटीआई के प्रचार्य एवं आईटीआई के सभी सदस्य उपस्थित रहे।श्री रावतपुरा सरकार निजी आईटीआई के प्रथम दीक्षांत समारोह में सत्र 2020-2021 एवं 2021-2022 में अध्यनरत रहे छात्रों को उपाधियाँ दी गई, जिसमें 122 उपाधि, 5 स्वर्णपदक, 4 रजत एवं 4 कांस्य दिए गए। दीक्षांत समारोह में विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति हर्ष गौतम ने सभी अतिथियों का शानदार स्वागत किया और उन्होंने कहा कि, 'टेक्नोलॉजी की पहली सीढ़ी आईटीआई है। इस विधा के सभी छात्र जहां भी जाए खूब मेहनत करे और आगे बढ़े।'दीक्षांत समारोह के इस अवसर पर सभी अतिथियों ने अध्यनरत रहे छात्रों को शुभकामनाएँ दी। सम्मानीय अतिथि डॉ.अरुणा पलटा ने छात्रों को भविष्य में आगे बढ़ने और अपने कर्तव्यों का निष्ठा के साथ पालन करने की शपथ दिलाई। इसके साथ ही मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. जीसीडी भारती (भारती बंधु) ने अपने अनूठे अनुभव साझा करते हुए सभी छात्रों को भविष्य में उत्तम दिशा चयनित करने के लिए मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि, ज्ञान आपको सद्गुरु के नेतृत्व में विद्वान् बनने की दिशा दिखाती हैं। शिक्षा का स्थान सदैव सबसे ऊँचा होता हैं।.कुलपति प्रो. डॉ.एस.के सिंह ने इस अवसर पर वार्षिक रिपोर्ट का विवरण बताते हुए कहा कि 'श्री रावतपुरा सरकार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, धनेली, रायपुर का सम्बद्धता कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय महानिदेशालय प्रशिक्षण नई दिल्ली से है। उनके द्वारा निर्धारित मापदण्डानुसार संस्था द्वारा संचालित चारों व्यावसायिक कार्यक्रमों में मशीन, उपकरण एवं प्रशिक्षण हेतु आवश्यक प्रायोगिक संसाधन उपलब्ध हैं। संस्था के सभी आचार्य एवं प्रशिक्षण अधिकारी अपने-अपने विषय में कुशल एवं उच्च योग्यताधारी हैं, जिसके परिणाम स्वरूप हमारे संस्था का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष श्रेष्ठ रहा है। वर्ष 2020 में संस्था की भुनेश्वरी चन्द्राकर ने महिला वर्ग से 91.57% अंक प्राप्त कर सम्पूर्ण छ.ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि के लिए इन्हें वर्ष 2021 में महिला दिवस के अवसर पर कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय महानिदेशालय प्रशिक्षण नई दिल्ली के द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, यह हमारे लिए एवं सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।'दीक्षांत समारोह के अंत में सभी अतिथियों को प्रतीक चिह्न देकर धन्यवाद दिया गया। श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के सदस्य सचिव अतुल कुमार तिवारी पूरे संस्थान की ओर से सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया और साथ ही छात्रों को उनके प्रयास और उनकी सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने सभी छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा की जीवन में निरंतर आगे बढ़े। अंत में राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन किया गया।

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय योग ओलंपियाड में पदक प्राप्त कर विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की बढाई प्रतिष्ठा...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के योग विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय योग ओलंपियाड प्रतियोगिता में पदक जीते हैं। विश्वविद्यालय के योग विभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय योग ओलंपियाड प्रतियोगिता में जीत प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। 19 राज्यों के प्रतिभागियों ने 22 मई से 24 मई के बीच स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, प्रशांति कुटीरम् बेंगलुरु (S-VYASA) द्वारा आयोजित 24वें 'राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय हिमालया योग ओलंपियाड प्रतियोगिता' में भाग लिया,जो कि योग के क्षेत्र में एक बहु प्रतिष्ठित संस्थान है। सीनियर कैटेगरी में विश्वविद्यालय के योग विभाग के एम. ए. योग एवं नेचुरोपैथी के अंतिम वर्ष के विद्यार्थी पंकज यादव ने इस प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल प्राप्त किया, वहीं एम. ए.योग एवं नेचुरोपैथी के द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा दामिनी साहू ने गर्ल्स सिनीयर वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त कर विश्वविद्यालय और छत्तीसगढ़ प्रदेश की प्रतिष्ठा बढाई।

योग विभाग के छात्र 'धीरेन्द्र कुमार' ने रचाविश्व कीर्तिमान...

विश्विविद्यालय के योग विज्ञान विभाग के बीए (योग विज्ञान) तृतीय वर्ष के छात्र धीरेंद्र कुमार जिसा वर्ल्ड रिकॉर्ड कंसलटेंसी संस्था द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में अधिकतम समय तक 'पूर्ण मत्स्येंद्रासन' में विद्यमान रहने का विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। जिसा वर्ल्ड रिकॉर्ड कंसलटेंसी संस्था वर्ल्ड वाइड बुक ऑफ रिकॉर्ड संस्था से संबंधित है। 16 सितंबर 2022 को आयोजित इस प्रतियोगिता में धीरेंद्र कुमार ने 5 मिनट 6 सेकंड तक पूर्ण मत्स्येंद्रासन में रहकर यह कीर्तिमान बनाया है। इस प्रतियोगिता में अमेरिका, यूरोप एवं अफ्रीका के साथ विश्व के विभिन्न देश के 477 प्रतिभागी सम्मिलित हुए थे, जिसमें छात्र धीरेंद्र कुमार प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए गौरव उपलब्धि अर्जित की है। ध्यातव्य हो कि योग शिक्षा के क्षेत्र में श्री रावतपुरा सरकार विश्विविद्यालय छत्तीसगढ़ के शीर्षस्थ संस्था के रूप में प्रतिष्ठित है।

योग विभाग के छात्र 'पंकज' ने रचा विश्व कीर्तिमान...

विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग एम.ए. (योग विज्ञान) द्वितीय वर्ष के छात्र "पंकज कुमार यादव" ने जिसा वर्ल्ड रिकॉर्ड कंसलटेंसी संस्था के द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में अधिकतम समय तक शीर्षासन करने का विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है। 28 नवंबर 2021 को आयोजित इस प्रतियोगिता में अमेरिका, यूरोप एवं अफ्रीका के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देश के प्रतिभागी सम्मिलित हुए थे, जिसमें भारत के छत्तीसगढ़ राज्य के श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के छात्र पंकज यादव ने 30 मिनट 40 सेकंड तक शीर्षासन में रहकर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है।

एथलेटिक्स मीट-2022 में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने जीता स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक...

विश्वविद्यालय के छात्रों ने आईएएल एथलेटिक्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एथलेटिक्स मीट-2022 में लिया भाग और गोल्ड, सिल्वर के साथ ब्रॉन्ज मेडल अर्जित किया। आईएएल एथलेटिक्स फाउंडेशन द्वारा आयोजित एथलेटिक्स मीट 07, 08 और 09 अक्टूबर 2022 को नरहदा स्टेडियम, रायपुर में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय से बी.टेक 7वें सेमेस्टर के संदीप सूर्यवंशी ने 200 मीटर दौड़ में गोल्ड मेडल, 400 और 800 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया, बी टेक 7वें सेमेस्टर (सिविल) से आशुतोष सिंह ने 800 मीटर में सिल्वर और 1500 मीटर दौड़ में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया और बीपीईएस प्रथम सेमेस्टर से सलीम मिंज ने लॉन्ग जम्प में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

योग विज्ञान के विद्यार्थी 'टिकेश्वर पटेल' ने शीर्षासन में बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड...

विश्वविद्यालय के योग विज्ञान विभाग के बीएससी (योग विज्ञान) तृतीय वर्ष के छात्र टिकेश्वर पटेल ने अखिल भारतीय योग महासंघ संस्था के द्वारा आयोजित योग प्रतियोगिता में अधिकतम समय तक शीर्षासन में विद्यमान रहने का विश्वकीर्तिमान स्थापित कर अपना नाम 'योगा वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड' में दर्ज कराया। विश्वविद्यालय के छात्र टिकेश्वर पटेल ने मेल रिकॉर्ड केटेगरी में 1 घंटे 44 मिनट तक शीर्षासन में रहकर प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए यह रिकॉर्ड अपने नाम किया है। टिकेश्वर पटेल की इस सफलता ने विश्वविद्यालय के साथ-साथ हमारे सम्पूर्ण राष्ट्र को गौरवान्वित होने का अवसर दिया है।

विद्यार्थियों ने 'विश्व योग कप' प्रतियोगिता में जीता पदक...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कला संकाय के अंतर्गत योग विभाग के विद्यार्थियों ने 26 से 27 जून 2022 को गाजियाबाद उत्तर प्रदेश में यूनिवर्सल योगा स्पोर्ट्स फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित "विश्व योग कप" प्रतियोगिता में पदक प्राप्त किए। प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के योग विभाग के एम.ए. योग अंतिम वर्ष के छात्र सत्यनारायण दुर्गा ने एथलेटिक सोलो प्रतियोगिता में तृतीय स्थान और ट्रेडिशनल योगासन प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। वही एम.ए.योग अंतिम वर्ष की छात्रा प्रभा साहू ने ट्रेडिशनल योगासन प्रतियोगिता में पांचवा स्थान प्राप्त किया।

टोयोटा-टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम: छत्तीसगढ़ में पहला टी-टेप इंस्टीट्यूट

विश्वविद्यालय में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ हुए एमओयू का उद्घाटन समारोह 29 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया। जिसमें श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने एक टोयोटा-टेक्निकल एजुकेशन प्रोग्राम (T-TEP) स्थापित किया, जिससे छात्रों के वैश्विक प्रायोगिक अनुभवों, प्रशिक्षण और वैश्विक कौशल को बढ़ाने का प्रयास किया जायेगा। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का प्रथम विश्वविद्यालय है जिसने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर छात्रों के भविष्य के निर्माण के लिए पहल किया है ताकि भविष्य में विश्वविद्यालय के छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर और नई तकनीकी सुविधाएँ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत बोर्ड की प्रबंधन संचालक उज्ज्वला बघेल, टीकेएम प्राइवेट लिमिटेड इंडिया के कंट्री हेड, एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी और जनरल मैनेजर एसोसिएट वरिन्दर कुमार वाधवा शामिल हुए। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एस.के.सिंह ने सभी अतिथियों और कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया। इसके साथ ही उन्होंने विवि की तरफ से आभार व्यक्त किया की इस बड़ी पहल में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड ने विवि को बड़ी जम्मेदारी दी। कॉर्पोरेट हाउस के सहयोग से हमारे छात्रों को भविष्य में आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। वहीं उज्जवला बघेल ने उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुए कहा कि कारीगर और जनप्रतिनिधियों की मदद से छत्तीसगढ़ में जो नया उपक्रम शुरू हुआ है वो सराहनीय है। टीकेएम प्राइवेट लिमिटेड इंडिया के कंट्री हेड विक्रम गुलाटी ने कहा कि इस 25 साल में हमने कुछ चीजो पर बहुत ही फोकस किया है लेकिन ये जो भी सफलता अभी तक हमें मिली है ये सभी हमे ट्रेनिंग, स्किलिंग और पॉवर वर्क फ़ोर्स के सहयोग से प्राप्त हुई हैं ये हमारा सौभाग्य है हमारा 52वां T-TEP इंस्टीटूट यहाँ पर स्थापित हो रहा है, यह छत्तीसगढ़ में हमारा पहला सेंटर होगा।

विश्वविद्यालय का टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओए...

विश्वविद्यालय ने 10 जून 2022 को प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम एवं कुलपति श्री डॉ. एस. के. सिंह के मार्गदर्शन में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ एमओए किया। इसका मुख्य उद्देश्य दोनों संस्थानों को इन्डस्ट्रीयल-इंस्टीट्यूट स्तर पर कनेक्ट करके आगे बढ़ना हैं। इसके माध्यम से छात्रों के लिए एक आधुनिक तकनीकी आधारित पर एक विशेष लैब का निर्माण किया गया, जिसमें विश्वस्तरीय उपकरणों को उपलब्धता से विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को प्रायोगिक ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त हो रहा है। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ का प्रथम विश्वविद्यालय हैं जिसने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर छात्रों के भविष्य के निर्माण लिए एक यथार्थ पहल की है, ताकि आने वाले भविष्य में विश्वविद्यालय के छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर और नई तकनीकी प्रशिक्षण की सुविधाएँ उपलब्ध हो सके। इस एमओए (MOA) में टोयोटा किर्लोस्कर के जनरल मैनेजर सबरी मनोहर, जनरल मैनेजर एसोसिएट वरिंदर कुमार वाधवा,उप प्रबंधक प्रवीण कुमार कुलकर्णी,सहायक प्रबंधक कौशिक बेजबौराह, टोयोटा काइज़ेन के डीलर प्रिंसिपल मुकेश कुमार सिंघानिया,सीइओ विकास सिंघई, जेडी टोयोटा डीलर प्रिंसिपल गिरीश सलूजा, सीइओ मनीष सलूजा उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय ने किया अरबिंदो नेत्रालय के साथ एमओयू...

विश्वविद्यालय के साइंस डिपार्टमेंट के द्वारा 14 दिसंबर 2022 को अरबिंदो नेत्रालय रायपुर के साथ एमओयू किया गया। अरबिंदो नेत्रालय छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध नेत्र अस्पताल में से एक है, जिसके निदेशक डॉ. आनंद सक्सेना और डॉ. मुनीश सक्सेना एवं साइंस डिपार्टमेंट की डीन डॉ. अनुभूति कोसले के मध्य एक सहमति हस्ताक्षरित हुआ। एमओयू ऑप्टोमेट्री विभाग के छात्रों के लिए उनके नैदानिक प्रशिक्षण/इंटर्नशिप के लाभ के दृष्टिगत से किया गया है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को तथ्यपरक आनुभविक प्रशिक्षण प्रदान करना है।

'स्किल एकेडमी बाइ टेस्टबुक' के साथ एमओयू ..

विश्वविद्यालय ने 4 अगस्त 2022 को "स्किल एकेडमी बाइ टेस्टबुक" के साथ एमओयू किया। "स्किल एकेडमी बाए टेस्टबुक" एक ऐसा माध्यम हैं जो छात्रों को ऑनलाइन शैक्षिक पाठ्यक्रम प्रदान करती हैं। इस एमओयू का उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को टेस्ट बुक द्वारा बहुराष्ट्रीय शैक्षिक मंच प्रदान करके इंटर्नशिप और प्रशिक्षण के द्वारा भविष्य की प्रतिस्पर्धा के लिए पूरी तैयारी करवाना हैं, जिसके अंतर्गत लाइव एप्टीट्यूड टेस्ट, शीर्ष उद्योग विशेषज्ञों के लिए लाइव बूट कैंप, प्रतियोगिता के माध्यम से पूर्णकालिक नौकरी के लिए अवसरों को उपलब्ध करवाना है।

त्रि-दिवसीय इंटर फैकल्टी बैडमिंटन कॉम्पीटीशन 2022

विश्वविद्यालय में 9 नवंबर से 11 नवंबर'22 तक तीन दिवसीय इंटर फैकल्टी बैडमिंटन कॉम्पीटीशन 2022 का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने भरपूर ऊर्जा के साथ प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने सभी प्रतिभागीयों को प्रतिस्पर्धा के लिए प्रोत्साहित किया।ध्यातव्य हो कि प्रतियोगिता में बीए एलएलबी प्रथम वर्ष की दिव्यांग छात्रा वैशाली सिंह ने रिमोट स्वचलित ह्वील चेयर में बैठ कर भी प्रतिस्पर्धा में प्रतिभाग किया और अपने हौसले से सभी छात्रों को प्रेरित किया।

प्रतियोगिता के फ़ाइनल मुक़ाबले में बालिका वर्ग के मैच में विश्वविद्यालय की एमए योग की छात्रा रूबी प्रियंका गर्ल्स सिंगल्स की विजेता रही एवं उपविजेता बीएड प्रथम वर्ष की पूजा पात्रे रही। बालिका वर्ग डबल्स में एमए योग की रूबी प्रियंका एवं बीएड प्रथम वर्ष की प्रज्ञा साहू विजेता रही, वहीं उपविजेता बीएड प्रथम वर्ष की पूजा पात्रे और सीमा पैकरा रही। इसीप्रकार बालक वर्ग के मैच में बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य यादव, सिंगल्स के विजेता रहे एवं उपविजेता बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र वेदांश पैंकरा रहे। बालक वर्ग डबल्स में वेदांश पैंकरा और अमन कुमार बैरागे, बीसीए प्रथम वर्ष विजेता रहे एवं बीएससी द्वितीय वर्ष के छात्र आदित्य यादव व दीक्षांत सिंह उपविजेता रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. एस. के. सिंह ने प्रतिभागियों और विजेताओं को पुरस्कृत व प्रोत्साहित किया।

आरोहण : विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय अंतर-विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता आयोजित ..

विश्वविद्यालय द्वारा शानदार तीन दिवसीय "स्टेट लेवल इंटर कॉलेज स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन आरोहण 2022" 7,8 और 9 अप्रैल'22 को विश्वविद्यालय परिसर रायपुर में आयोजित किया गया, जिसमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, क्रिकेट, कैरम, टेबल टेनीस, शतरंज खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। आरोहण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि बस्तर सांसद, दीपक बैज ने आरोहण खेल प्रतियोगिता के इस मौके पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए खेल प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया, साथ ही कोंडागांव और पखांजूर जैसे दूरस्थ अंचल से आये खिलाड़ियों को भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष दामू अम्बाडारे ने अपना अनुभव साझा करते हुए प्रतिभागी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और आरोहण के लिए विश्वविद्यालय को शुभकामनाएँ दी। श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ. जे. के. उपाध्याय ने श्री रविशंकर महाराज जी के आशीर्वाद के साथ सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए आरोहण में शामिल प्रतिभागियों को शुभकामनाएँ दी, तथा खेल के प्रति लोगों को जागरूक रहने का संदेश दिया, और आरोहण को आने वाले समय में और उच्च स्तर पर ले जाने की संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

विश्वविद्यालय परिसर में 21 जून'22 को आस्था मंच में "मानवता के लिए योग" मूल विषय पर आठवां "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी गण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्रध्यापक एवं विद्यार्थियों ने पूरे मनोयोग के साथ योगाभ्यास किया। इस कार्यक्रम के अंत में डॉ. केवलराम चक्रधारी ने सभी योगाभ्यासियों को संकल्प दिलाया कि वे अपने जीवन में योगाभ्यास को जीवन का एक अनिवार्य अंग मानते हुए निरंतर योगाभ्यास करेंगे। तत्पश्चात योग विभाग के विद्यार्थियों ने मनमोहक योग की प्रस्तुति दी। प्रभारी कुलसचिव मनोज कुमार सिहं ने अपने उद्बोधन में कहा योग मनुष्य को न सिर्फ शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से सक्षम और सफल बनाता है साथ ही इंद्रियों को संयमित कर प्रतिभा को निखारने में सहायता करता है। कुलपति डॉ. एस. के. सिंह ने माँ सरस्वती को याद करते हुए रविशंकर महाराज जी को नमन किया, इसके साथ ही उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि योग समत्व भाव एवं समभाव के साथ वसुधैव कुटुम्बकम के भाव को भी विकसित करता है, जो भारतीय संस्कृति का आधार रहा है और इस वर्ष के थीम "मानवता के लिए योग" विषय पर प्रकाश डालते हुए कुलपति ने बताया की योग सर्वजन के लिए है योग हमेशा साथ मिलकर आगे बढ़ने और सबके कल्याण का भाव रखता है। इसके साथ ही प्रति कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" के मौके पर योग से अपने अनुभव साझा करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि आज योग के विद्यार्थियों के द्वारा किया गया प्रदर्शन अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का रहा। जब हम किसी कार्य के लिए संकल्पित हो जाते हैं तो हम उसके प्रति कटिबद्ध हो जाते हैं और वह कार्य भी सफल अवश्य होता है। योग को हम सब अपने जीवन में अपनाएं और उसे व्यवहारिक रूप से जुड़कर लाभ ले सकते हैं।

शिक्षकों और छात्रों ने खेल के माध्यम से परिसर को किया ऊर्जान्वित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स ग्राउंड में 29 अगस्त'22 को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन "राष्ट्रीय खेल दिवस" के अवसर पर विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह उपस्थित रहे। फिजिकल एजुकेशन विभाग के प्रवक्ता संजय कांत झा, स्पोर्ट्स ऑफिसर अरशद हुसैन एवं जीजू पी. सोमन के मार्गदर्शन में आयोजित इस खेलोत्सव में विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों और छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। इस शैक्षणिक सत्र का आरम्भ स्फूर्ति और उत्साह से भरपूर खेलों के साथ होने के कारण विश्वविद्यालय परिसर का वातावरण अत्यंत ऊर्जावान और सकारात्मक हो गया।

नर्सिंग विभाग में "अभिनंदन 2022' कार्यक्रम....

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ़ नर्सिंग, रायपुर में बी.एससी. नर्सिंग 2022-23 के छात्रों के लिए सीनियर्स ने अपने जूनियर्स के लिए स्वागत के तौर पर "अभिनंदन-2022" कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती पूजा के साथ हुई एवं छात्रों ने सभी अतिथियों का फूलों के साथ टीका लगाकर शानदार स्वागत किया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. एस. के. सिंह, नर्सिंग प्रिंसिपल अन्नपूर्णा साहू, विभाग प्रमुख उत्तम वैष्णव एवं विश्वविद्यालय के सभी शिक्षक और स्टाफ़ उपस्थित हुए। नर्सिंग प्रिंसिपल अनुपूर्णा साहू ने "अभिनंदन " कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सभी का स्वागत किया और छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि, 'पढ़ाई के साथ अपनी सोच को सकारात्मक रखना आपके क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण है और आपको अपने कुशल व्यवहार से अपनी छवि बनानी है।' कुलपति प्रो. सिंह ने नव-प्रवेशित छात्रों को शुभकामनाएं दी और छात्रों से कहा कि, 'लोगों के जीवन में उनके स्वास्थ को संतुलित रखने के लिए नर्सों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती हैं।' उन्होंने "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः, सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा, कश्चिद् दुख भागभवेत" श्लोक के साथ छात्रों को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में सीनियर्स और जूनियर्स ने संस्कृतिक प्रस्तुति दी।

श्री रावतपुरा सरकार इंस्टीट्यूट ऑफ़ नर्सिंग में "रुखसत 2022" कार्यक्रम आयोजित

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय परिसर के नर्सिंग इंस्टीट्यूट में बी.एससी. नर्सिंग 2018 -2022 और जीएनएम नर्सिंग 2019-2022 के विद्यार्थियों के लिए जूनियर्स ने अलविदा के तौर पर "रुखसत" कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने छात्रों से कहा कि, 'आप अपने जीवन के अगले पड़ाव पर जा रहे है जिसमें आपको कड़ी मेहनत करनी है और अपना भविष्य आपको उज्ज्वल बनाना है।' कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "उज्ज्वल भविष्य के लिए आप सभी को लगातार प्रयास करना होगा। नर्सिंग के छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ व्यवहार कुशलता का भी ध्यान रखना आवश्यक होता है और मैं चाहता हूँ कि हमारे नर्सिंग के छात्र अपने जीवन में हर परिस्थितियों का डट कर सामना करें और अपने क्षेत्र में प्रतिष्ठा प्राप्त करें।' प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने प्रेरित करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि, 'यहाँ से जाने के बाद आपके उत्तरदायित्व और बढ़ जायेंगे। नर्सिंग का क्षेत्र में आपकी कार्यकुशलता, आपकी सोच और आपका व्यवहार बहुत महत्वपूर्ण है। आपको अत्यंत समझदारी और संयम के साथ आगे बढ़ना पड़ेगा, आपका कार्य क्षेत्र उत्तरदायित्वपूर्ण चुनौतियों से भरा है।" कार्यक्रम में छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति दे कर चार-चाँद लगा दिया, साथ ही अंतिम सत्र के छात्रों के लिए यह पल आँखे नम करने वाला रहा।

छात्रों ने किया शैक्षणिक भ्रमण...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के साइंस विभाग के छात्रों और शिक्षकों ने शैक्षणिक भ्रमण किया। सिरपुर और दक्षकुंड जलप्रपात में छात्रों और शिक्षकों ने नैचुरल ट्रेकिंग किया एवं वनस्पतियों, जीव-जंतुओं एवं जैव विविधता की जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही प्राकृतिक पेड़-पौधों के बारे में जाना और हरे-भरे पेड़- पौधों के बीच प्राकृतिक के अनुकूल वातावरण का आनंद लिया। शैक्षणिक भ्रमण से छात्रों को काफी ज्ञान और अनुभव प्राप्त हुआ। शैक्षणिक भ्रमण में विश्वविद्यालय के साइंस विभाग की डीन डॉ.अनुभूति कोशले, फैकल्टी मीशा मार्टिन एवं विभाग के सभी सदस्यों ने छात्रों का मार्गदर्शन किया।

शैक्षणिक भ्रमण का उद्देश्य विषयान्तर्गत एवं विषयेत्तर समस्याओं के प्रायोगिक समाधान करना है क्योंकि पुस्तकीय अध्ययन पद्धति अधिगम के लिए पूर्णतः प्रभावी नहीं होती। विज्ञान का मूल वाक्य है - आओ करके सीखें, शैक्षणिक भ्रमण इसी पद्धति का आवश्यक प्रतिरूप है।

अनुसंधान और विकास की समझ के लिए देवलीला बायोटेक का भ्रमण

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को आधुनिक दौर में पूर्ण रूप से सक्षम बनाने के लिए किताबी ज्ञान के साथ प्रायोगिक ज्ञान देने की भी कोशिश कर रहा है, और इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के छात्रों ने देवलीला बायोटेक ग्रुप का दौरा किया।विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के छात्रों ने 23 सितंबर'22 को देवलीला बायोटेक ग्रुप का भ्रमण कर ग्रीन हाउस, शेड हाउस और टिशू कल्चर लैब भी देखा । छात्रों ने इस क्षेत्र में अनुसंधान और विकास के बारे में सीखा। देवलीला ग्रुप डायरेक्टर ने भविष्य में स्टार्ट अप कंपनी विकसित कैसे किया जाता है इस बारे में बताया और उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया तथा विज्ञान के नियमों और उद्योगों की विभिन्न भूमिकाओं के बारे में छात्रों से चर्चा की। देवलीला बायोटेक ग्रुप के इस दौरे में विभिन्न शाखाओं जैव प्रौद्योगिकी, माइक्रोबायोलॉजी, बॉटनी, जूलॉजी, रसायन विज्ञान और पोषण के छात्रों ने भाग लिया।

छायाचित्र प्रदर्शनी: विद्यार्थियों ने फिल्मांकन में दिखाई रचनात्मकता...

विश्वविद्यालय के कला संकाय विभाग एवं सामाजिक विज्ञान संकाय विभाग द्वारा दो दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी (फोटोग्राफ़ी एक्सहिबिशन) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़ के हिस्सा लिया। छायाचित्र प्रदर्शनी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस के सिंह, कुलसचिव श्री एम. के. सिंह ने फीता कट कर किया। प्रति कुलाधिपति ने छायाचित्र प्रदर्शनी की सराहना करते हुये कहा कि, 'इस तरह के आयोजन छात्रों एवं शिक्षकों में नई ऊर्जा उत्पन्न करते हैं साथ ही उनके अंदर छिपी प्रतिभा को उभारने का प्रयास है।' इस प्रतिस्पर्धा में विश्वविद्यालय परिवार ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया और अपनी रचनाशीलता के भाव को छायाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया। कुलपति प्रो. एस के सिंह ने कहा कि, "एक चित्र हजार शब्दों के बराबर अपनी अहमियत रखता है। इसलिए इस विधा में सभी को अपनी रचनाशीलता को ऐसे प्लेटफार्म के माध्यम से निखरते रहना चाहिए। कला संकाय अधिष्ठाता डॉ. मनीषा वर्मा, सामाजिक विज्ञान संकाय अधिष्ठाता (प्रभारी) डॉ. अवधेश्वरी भगत एवं डॉ. नरेश गौतम के सफल संयोजन में यह प्रदर्शनी हुआ जिसमें समस्त छात्र छात्राएँ एवं शिक्षकगण शामिल हुए।

बहु-विषयक प्रतियोगिताएं: छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा..

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में चार दिवसीय विभिन्न पाठ्यक्रमीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। बता दें की शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों के व्यवहारिक व बौद्धिक विकास (सर्वांगिण विकास) हेतु इस तरह के कार्यक्रम को प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी प्रतियोगिताओं में प्रथम दिवस में रंगोली व चित्रकला प्रतियोगिता, द्वितीय दिवस में व्यंजन तथा बेस्ट आउट ऑफ द बेस्ट, तृतीय दिवस में केश सज्जा व मेहंदी प्रतियोगिता तथा चतुर्थ दिवस में फैंसी ड्रेस व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के प्राचार्य डॉ.संजीत कुमार साहू ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी तथा निर्णायकमण्डल को धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रतियोगिताओं का परिणाम इस प्रकार रहा- रंगोली- प्रथम हिमांशु साहू बी एड द्वितीय वर्ष, द्वितीय -हर्शिका ध्रुव, तृतीय ऋतु सीदार बी एड प्रथम वर्ष, एवं विना नाग डी एल एड प्रथम वर्ष पेंटिंग - प्रथम प्रियंका साहू स्पेशल बी एड प्रथम वर्ष ,द्वितीय -हेमंत साहू स्पेशल बी एड प्रथम वर्ष, तृतीय अंजलि लहरे व्यंजन- प्रथम मोहिनी सोनी बी एड प्रथम वर्ष, द्वितीय झसकेतन बी

एड प्रथम वर्ष, तृतीय-मोनिका बघेल बी एड प्रथम वर्ष बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट - प्रथम पूजा तुर्कने बी एड द्वितीय वर्ष, द्वितीय गुंजा साहू बी एड द्वितीय वर्ष, तृतीय-मोनिका बघेल बी एड प्रथम वर्ष मेहंदी- प्रथम -अंजलि लहरे बी एड द्वितीय वर्ष, द्वितीय -संजू नाग डी एल एड प्रथम वर्ष, तृतीय -पूर्णिमा गुप्ता व महेश्वरी बी एड द्वितीय वर्ष केश सज्जा - प्रथम भारती साहू बी एड प्रथम वर्ष, द्वितीय मोहिनी सोनी बी एड प्रथम वर्ष, तृतीय -रम्भा निषाद बी एड द्वितीय वर्ष फैन्सि ड्रेस -प्रथम हर्शिका बी एड प्रथम वर्ष, द्वितीय सीमा पैकरा बी एड प्रथम वर्ष, तृतीय-पूजा तुर्कानी वाद-विवाद - पक्ष में प्रथम-डालटन, द्वितीय-झस्केतन, तृतीय-गुंजा साहू विपक्ष मे प्रथम-सौदागर, द्वितीय-देवांशि, तृतीय-ललिता पोते।

स्वतंत्रता दिवस: देशभक्ति गीत, नृत्य, ढ़ोल के साथ हाथों में दिखा तिरंगा...

इस "स्वतंत्रता दिवस" पर आजादी के 75 साल पुरे हो गए और इसे पूरा देश "अमृत महोत्सव" के रूप में मना रहा हैं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के.सिंह ने ध्वजारोहण किया और इसके साथ ही राष्ट्रगान कराया गया। इस समारोह पर विशेष अतिथि के रूप में रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर डॉ. सुशील त्रिवेदी, हिंदुस्तान लिमिटेड से फॉर्मर सीएमडी के.डी. देवान, पद्मश्री डॉ.राधेश्याम बारले, आई इंस्टीट्यूट से डायरेक्टर एमजीएम दीपशिखा अग्रवाल, उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ.एस.के सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया और स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, "आजादी के लिए जिन्होंने त्याग और बलिदान दिया है उनकी एक परिकल्पना थी कि राष्ट्र की आर्थिक उन्नति हो साथ ही साथ आध्यात्मिक उन्नति भी हो, वैज्ञानिकता के साथ अध्यात्मिकता का एक अद्भुत समन्वय होना चाहिए और सभी शिक्षण संस्थानों को ऐसे अवसर पर संकल्प लेना है ताकि उनके सपनों के आधार पर भारत को हम विश्वगुरु बना सके। विश्व को आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बना सके।"

कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दी और देश की स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल सभी शहीदों को याद किया ही उन्होंने देश की उपलब्धियों, संस्कृतिक परंपरा और देश की चुनौतियों पर अपने अनुभव साझा किए। स्वतंत्रता दिवस समारोह में छत्तीसगढ़ी लोकगीत गायिका अमृता बारले ने गीत गाकर अपनी संस्कृति की विशेषताएं गिनाई ।विश्वविद्यालय के छात्रों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर उत्सव को आनंदमय बना दिया।

प्री-दीवाली फेस्ट: विश्वविद्यालय में दीपावली से पूर्व दीपावली का माहौल..

विश्वविद्यालय में 18 और 19 अक्टूबर'22 को डिपार्टमेंट ऑफ इंटीरियर एन्ड फैशन डिजाइन में दो दिवसीय 'प्री दीपावली सेलिब्रेशन' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयोजित 'कला और शिल्प प्रदर्शनी' में विद्यार्थियों के हाथों से बनी अलग-अलग वास्तु-शिल्प ने सभी का मन मोह लिया। प्रदर्शनी में लाइट, लैम्प्स, गिफ्ट्स, ज्वेलरी, होमडेकॉर, अपैरल, हैंडमेड क्राफ्ट्स आदि वस्तुओं का प्रदर्शन किया गया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के प्रो-चांसलर हर्ष गौतम, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह के साथ विश्वविद्यालय

के सभी छात्र-छात्राएं और कर्मचारी शामिल हुए। उन्होंने प्रदर्शनी में लगाए गए हस्त शिल्प को देखा और डिपार्टमेंट ऑफ इंटीरियर एन्ड फैशन डिजाइन के विद्यार्थियों के साथ ही साथ प्राध्यापकों की भी मुक्तकंठ से प्रसंसा की। छात्रों-छात्राओं ने प्री दीपावली सेलिब्रेशन में अत्यधिक उत्साह दिखाया, जिससे दीपावली के पूर्व ही दीपावली जैसा वातावरण बन गया। प्रदर्शनी की आयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर प्राची चंद्राकर, संयोजक असिस्टेंट प्रोफेसर राज प्रियंका और आयोजन सचिव असिस्टेंट प्रोफेसर रिशु सिंह रही।

एसआरयू फूड फिएस्टा: विद्यार्थियों ने बनाया स्वादिष्ट व्यंजन....

कहते हैं- दिल का रास्ता पेट से होकर जाता है, कुछ ऐसा ही किया श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों ने। 28 सितंबर'22 को विज्ञान विभाग में 'व्यंजन पर्व' का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के शिक्षार्थियों ने स्वच्छता का ध्यान रखते हुए स्वादिष्ट व्यंजन पकाया और सभी प्राध्यापकों और सहपाठियों को खिलाया। छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों को तैयार किया, जिसका विश्वविद्यालय परिवार स्वाद चखा।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह के साथ शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक स्टाफ भी शामिल हुए।विज्ञान संकाय की अधिष्ठाता डॉ.अनुभूति कोशले, प्रवक्ता मीशा मार्टिन, दिव्या शर्मा और कुलश्रेष्ठ सिन्हा ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। ऐसा आयोजन न केवल विद्यार्थियों को उत्साहित और आकर्षित करता है वरन उनमें अतिरिक्त कौशल विकास भी करता है।

गणपति उत्सव: उल्लासपूर्ण वातावरण में सिद्धिविनायक गणेश जी का विसर्जन...

विश्वविद्यालय परिवार ने परिसर में स्थापित रिद्धि-सिद्धि के दाता भगवान गणेश का विधि विधान से हवन पूजन कर 9 सितंबर'22 को विसर्जन किया। हवन और आरती के समय संस्थान के सभी स्टाफ और विद्यार्थी उपस्थित रहे। शुभ मुहूर्त में विधि पूर्वक जल में विसर्जित करने से पहले विश्वविद्यालय परिवार ने ढोल नगाड़ों के साथ धूमधाम से गौरी पुत्र गणेश जी को विदाई दी। छात्रों ने आस्था और विश्वास के साथ- 'गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरष तू जल्दी आ' का जयकारा लगाते हुए नृत्य प्रस्तुत किया और श्रद्धापूर्वक गणेश भगवान को विसर्जित किया।

दिव्य आस्था का पर्व नवरात्रि : विश्वविद्यालय में हुआ रास गरबा...

पवित्र नवरात्रि आते ही सभी का मन प्रसन्नता से झूम उठता है क्योंकि नौ दिन माँ दुर्गा की आराधना की जाती है, साथ ही इन नौ दिनों में गरबा और डांडिया खेलने की परम्परा भी बहुत समय से प्रचलित है। इस परम्परा के अनुरूप श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय परिसर में 29 सितंबर से 3 अक्टूबर 2022 तक गरबा नृत्य का आयोजन 3 से 4 बजे तक किया गया। सूच्य हो कि विश्वविद्यालय में प्रत्येक वर्ष गरबा नृत्य का आयोजन किया जाता है, तदनुरूप इस बार बड़े धूमधाम से चार दिवसीय गरबा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने पारंपरिक परिधानों में भाग लेकर चार-चाँद लगा दिया। विगत वर्षों में कोरोना संक्रमण के कारण इसका आयोजन नहीं हो पाया था, फलतः इस वर्ष गरबा में अत्यंत उत्साहपूर्वक विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और सभी शैक्षणिक-अशैक्षणिक कर्मचारी भाग लिया। सभी विभागों के सदस्य और कार्यालय कर्मचारीगण पारंपरिक परिधानों में चौकड़ी, छकड़ी और घोड़ा रास का आनन्द लिए।

धूमधाम से मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

भारतीय संस्कृति में गुरु का विशेष महत्व है फलतः उनके प्रति श्रद्धा, सच्ची निष्ठा और समर्पण का भाव हमेशा रहता है, क्योंकि गुरु हमें अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ने का रास्ता दिखाते हैं। वेदों की रचनाकार और महान शिक्षक महर्षि वेदव्यास को हिंदू धर्मगुरुओं की श्रेणी में प्रथम स्थान प्राप्त है, इसीलिए प्रत्येक वर्ष आषाढ़ पूर्णिमा के दिन को व्यास पूर्णिमा के रूप में भी मनाया जाता है। विश्वविद्यालय में गुरु के प्रति आस्था और निष्ठा के साथ 13 जुलाई'22 को "गुरुपूर्णिमा पर्व" मनाया गया। इस उत्सव का प्रारंभ विवि में सुबह 05:00 बजे ब्रह्म मुहूर्त में श्री सदगुरू देव भगवान के पादुका पूजन और अभिषेक से की गई। इसके बाद 9 बजे गुरु की महिमा में प्रार्थना और 10 बजे रामार्चन पूजन अनुष्ठान किया गया। प्रसादी वितरण किया गया। इसके के साथ ही सायंकालीन बेला में सत्यनारायण की कथा की गई। शाम 6 बजे सायंकालीन प्रार्थना एवं ललितासहस्त्रार्चन कार्यक्रम किया गया और पौधा रोपण भी किया गया। गुरुपूर्णिमा के इस पावन अवसर पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. के. सिंह, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह एवं समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और विद्यार्थी शामिल हुए। गुरुपूर्णिमा पर्व के इस पावन अवसर पर विवि के कुलाधिपति श्री सदगुरू श्री रविशंकर महाराज जी ने जीवंत प्रसारण के माध्यम से विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों को अपने आशीर्वचन से अभिसिंचित करते हुए कहा कि, "गुरु शिक्षा को विद्यार्थियों तक न केवल पहुँचते हैं वरन उन्हें सही दिशा भी दिखते हैं और जीवन में उचित मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। जीवन में अच्छा काम करें और अच्छे मनुष्य बने।" कुलपति डॉ. एस. के. सिंह ने अपने सभी गुरुओं को नमन करते हुए कहा कि "गुरु की महिमा को समझना अत्यंत आवश्यक हैं गुरु व्यक्त नहीं गुरु तत्व हैं और तत्व को समझने की आवश्यकता होती हैं तत्व के गुणों को और महिमा को हम शब्दों से बांध नहीं सकते।" उन्होंने "गुरुर्ब्रह्मा ग्रुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः, गुरुः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः" श्लोक के माध्यम बताया की हमारा भारतीय इतिहास गुरु की महिमा के वर्णन से भरा हुआ हैं जिससे हम गुरु महिमा को महसूस कर सकते हैं।"

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन...

आधुनिक भारत की एकता के प्रणेता, महान स्वतंत्रता सेनानी, देश के पहले उप-प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लौहपुरुष 'सरदार वल्लभ भाई पटेल' की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर 2022 को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय एकता दिवस" मनाया गया। जिसके उपलक्ष्य में प्रथमतः विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्रों ने प्रातः 'रन फॉर यूनिटी' कार्यक्रम में धनेली गांव से विश्वविद्यालय परिसर तक दौड़ लगायी तत्पश्चात समारोह में विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्रों ने शपथ ग्रहण

किया कि, "मैं सत्यनिष्ठापूर्वक शपथ लेता हूँ कि मैं राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए स्वयं को समर्पित करुंगा और अपने देशवासियों के बीच यह संदेश फैलाने का भी यथा-संभव प्रयत्न करुंगा। मैं यह शपथ अपने देश की एकता की भावना से ले रहा हूँ जिसे सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता एवं कार्यों द्वारा संभव बनाया जा सका। मैं अपने देश की आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना योगदान करने का भी सत्यनिष्ठा से संकल्प करता हूँ।"

एसआरयू के एनसीसी कैडेट्स हुए 8 सीजी गर्ल्स बटालियन कैंप में शामिल...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने 8 सीजी गर्ल्स बटालियन रायपुर की ओर से 29 अगस्त से 5 सितंबर 2022 के मध्य लखौली, आरंग में सात दिवसीय कैंम्प में सहभाग किया, जिसमें छत्तीसगढ़ के विभिन्न संस्थानों के एनसीसी कैडेट्स ने भी भाग लिया। इस दौरान श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय से एनसीसी केयर टेकर डॉ. अवधेश्वरी भगत छात्रों के साथ उपस्थित रही। इस कैम्प में कैडेट्स को फायरिंग, मैप रीडिंग, फील्ड क्राफ्ट, ड्रिल की जानकारी दी गई, साथ ही ज्वेलरी मेकिंग, बेस्ट में बेस्ट, गायन और नृत्य प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया

गयाजिसमें 'सुप्रिया मिंज, दिव्या सिंह' ने टग ऑफ़ वॉर में प्रथम स्थान प्राप्त किया, हिना साहू ने खो-खो में प्रथम स्थान, लेखिका साहू ने बेस्ट ऑफ बेस्ट में प्रथम स्थान, स्मृति तिर्की,सुप्रिया मिंज ने ज्वेलरी मेकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ग्रुप कमांडर ए. के. दास ने कैडेट्स को कैंप के अंतिम दिन संबोधित करते हुए कहा कि कैंप में रहकर कैडेट्स अनुकूल और प्रतिकूल दोनों तरह की परिस्थितियों में संयमित हो कर रहना सीख जाते हैं। कैडेट्स विषम परिस्थितियों में भी रहने लायक बन सकें और उनका आत्म विश्वास बना रहे यही कैंप में सिखाया जाता है।

शिक्षक दिवस पर शिक्षा और शिक्षक के महत्व पर हुई चर्चा...,

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में "शिक्षक दिवस समारोह" का आयोजन किया गया। शिक्षक दिवस भारत में प्रतिवर्ष भूतपूर्व राष्ट्रपति महान आचार्य डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के अवसर पर ५२ सितम्बर को मनाया जाता है। विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह के इस अवसर पर मुख्य अतिथि पद्म श्री डॉ. सुरेंद्र दुबे और विशेष अतिथि एसएसडी बिजनेस एंड मशीनरी डिवीजन जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के उपाध्यक्ष नीलेश टी. शाह और राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार विजेता एम. आर. सावंत रहें। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम कुलपति प्रो. एस. के. सिंह उपस्थित रहे।

परम पूज्य श्री रविशंकर जी महाराज ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा, "माननीन अतिथि लोकप्रिय कवि श्री सुरेन्द्र दुबे साहब, श्री नीलेश टी शाह एवं श्री एम. आर. सावंत साहब को भी शिक्षक दिवस की बहुत बहुत शुभकामनाएं। इस दिन हम सब गुरुओं को नमन करते हैं. उनसे प्रेरणा लेते हैं और उनके विचारों को कर्म के माध्यम से आगे बढ़ाते हैं। श्री रावतपुरा सरकार विवि के सदस्य सभी महापुरुषों से प्रेरणा लें व अच्छा काम करें।"

"शिक्षक दिवस समारोह" को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ दी।कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने उपस्थित सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि, "एक गुरु माता-पिता, भाई-बहन और दोस्त की भी भूमिका निभाता है। शिक्षक और गुरु बनने की राह पर आपको दक्ष और नम्र दोनों ही बनना होगा।" इसके साथ ही "शिक्षक दिवस समारोह" में उपस्थित सभी अतिथियों ने अपना-अपना अनुभव साझा करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों का मार्गदर्शन और विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किया। मुख्य अतिथि पद्म श्री डॉ. सुरेंद्र दुबे ने "शिक्षक दिवस समारोह" पर अपनी मनोरंजक कविताओं से छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया और कहा की श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में आकर मुझे लगता है की ये विश्वविद्यालय नहीं बल्कि गुरुकुल हैं। एक शिक्षक ही समाज का वास्तविक निर्माता है, अतः उसका सम्मान आवश्यक है।

संविधान दिवस: संविधान और विधि पर व्याख्यान से छात्र हुए प्रेरित...

"भारत : लोकतंत्र की जननी" थीम पर श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय परिसर के गोविंद कल्याण मंडपम में आज 26 नवंबर'22 को "संविधान दिवस" कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ. दीपक श्रीवास्तव, गवर्मेंट जे. योगानंदम छत्तीसगढ़ पीजी कॉलेज, रायपुर से डॉ. देबदत्त प्रुष्टी उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने भारतीय "संविधान " के बारे में बताते हुए संविधान की प्रस्तावना के समाजवादी, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष शब्दों के महत्व के बारे में बताया और कहा कि हम इनकी मूल भावना के साथ चल सकते है और सभी छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ अपने संविधान का सम्मान भी करना चाहिए।

विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम ने छात्रों से कहा कि, 'देश का सविंधान और कानून हमारे अधिकारों का रक्षक है, कोई हमारा शोषण न कर पाए इसलिए ये कानून है और हमे अपने सविंधान और कानून के बारे में पता होना चाहिए।' डॉ. देबदत्त प्रुष्टी ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को भारतीय संविधान की आत्मा बताया। डॉ. दीपक श्रीवास्तव ने कहा कि, "भारत के हर एक नागरिक को संविधान से अधिकार प्राप्त है और इसके साथ ही हम सभी का संविधान के प्रति कुछ कर्तव्य भी हैं जिन्हे हमे पूरा करना चाहिए। संविधान देश का मूल मानक है।"

सामाजिक दायित्व के प्रति जागरूकता कार्यक्रम

हमारे देश में स्वच्छता के प्रति कई अभियान चलाये जा रहे हैं, इसी कड़ी में श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय द्वारा गाँव-गाँव में आम नागरिकों को 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत जागरूक किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा योजना एवं उन्नत भारत अभियान के तहत पाँच गाँव को गोद लिया गया है, जिनमें समय-समय पर विश्वविद्यालय द्वारा सामुहिक रक्तदान शिविर, नेत्र जाँच शिविर, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान आयोजित किये जाते हैं, साथ ही स्वच्छ पर्यावरण, योग शिविर, नुक्कड़ नाटक आदि कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामिणों को स्वास्थ्य जाँच, स्वच्छता और सफाई के प्रति जागरूक किया जाता है।

राजभाषा हिंदी दिवस : माता की तरह अपनी राष्ट्रभाषा का करें सम्मान- कुलपति...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में १४ सितम्बर 2022 को कला संकाय के द्वारा 'हिंदी दिवस' समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में हिंदी भाषा की प्रख्यात साहित्यकार, शासकीय डी.बी. महिला स्नाकोत्तर महाविद्यालय से सेवानिवृत्त व्याख्याता डॉ. सत्यभामा आडिल रही। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के. सिंह, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह एवं सभी संकायों के प्रवक्ता व विद्यार्थी उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति महोदय ने स्वागत सम्बोधन में "हिंदी दिवस" की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि, "अपनी कलम और अपने शब्दों के माध्यम से किसी के हृदय को छू जाना ही हिंदी साहित्य की सुंदरता है। अपने मनोभावों को विभिन्न रसों के माध्यम से वर्णित करना हिंदी का साहित्यिक सौंदर्य है।" कुलपति महोदय ने भी "हिंदी दिवस" की शुभकामनाएँ देते हुए कहा, "भाषा से हमारी विशेष पहचान होती है और हिंदी सम्पूर्ण विश्व में बोली जाने वाली प्रमुख भाषाओं में से एक है। विश्व की प्राचीनतम भाषा संस्कृत से उद्भूत हिंदी सरल, सरस और समृद्ध भाषाओं में से एक है। हिंदी केवल भाषा नहीं हमारी संस्कृति भी है अतः हम संकल्प करें कि जिस तरह से हम अपनी माता का सम्मान करते हैं उसी तरह से अपनी राष्ट्र भाषा का भी सम्मान करेंगे और दूसरों की भाषा का भी सम्मान करेंगे।"इसके साथ ही आज की मुख्य अतिथि डॉ. सत्यभामा आडिल ने हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि, "राष्ट्र की पहचान उसकी भाषा होती है। हिंदी को राष्ट्रभाषा तो घोषित किया गया किन्तु हिंदी को अभी भी वह सम्मान नहीं मिला। मैं किसी दूसरे देश की भाषा या अंग्रेजी भाषा के विरुद्ध नहीं हूँ परन्तु दूसरी भाषा को राष्ट्रभाषा के रूप में नहीं देखती। विदेशी भाषा मात्र संचार माध्यम की भाषा हो सकती है। अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व के कारण ही हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा के रूप में धरातल पर स्थापित नहीं हो सकी है।"

विश्वविद्यालय में अभियंताओं के सम्मान में हुआ कार्यक्रम...

"इंजीनियर्स डे" के अवसर पर 15 सितम्बर '22 को श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में भारत के महानतम अभियंता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती पर एक समारोह का आयोजन किया गया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी के अलग अलग ब्रांच के इंजीनियर्स ने पेंटिंग, ड्रामा, टेक्नोटॉक, टेक्निकल मॉडल और मॉडल मेकिंग किया, साथ ही इस अवसर पर अत्यंत उत्साह और जोश के साथ नृत्य और संगीत की प्रस्तुति दीसमारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भिलाई के विधायक देवेन्द्र यादव ,एनआईटी रायपुर से निदेशक प्रो. ए.एम. रवानी और गोदावरी पावर एंड इस्पात लिमिटेड से कार्यकारी निदेशक दिनेश अग्रवाल उपस्थित रहे। अतिथियों, प्रवक्ताओं और शिक्षार्थियों को सम्बोधित करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम ने सभी को "इंजीनियर्स डे " की शुभकामनाएँ दी तथा अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि, "प्रत्येक क्षेत्र में अभियांत्रिकी का बहुत बड़ा योगदान है। यह तकनीकी का दौर है, जो मानव जीवन के हर क्षेत्र को एक-दूसरे से जोड़ती है। हमने देखा कि कोरोना के समय भी जब डॉक्टर आम जनता के शारीरिक स्पर्श से डर रहे थे तब अभियंताओं के ही बनाए गए उपकरणों का उपयोग कर उन्होंने बीमारों की चिकित्सा किया। अभियांत्रिकी की प्रायोगिक शिक्षा विद्यार्थियों को न केवल कार्यक्षम और सेवा योग्य बनाती है वरन उन्हें मानव जीवन को सरल बनने का मार्ग भी सुझाती है।" इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर एस.के. सिंह ने सभी को "इंजीनियर्स डे " की शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि, "अभियांत्रिकी मानव जाति के कल्याण के लिए प्राकृतिक संसाधनों के रूपांतरण में विज्ञान को लागू करने की एक व्यावसायिक कला है।" उन्होंने "इंजीनियर्स डे " के इस अवसर पर अभियंताओं के महत्व के बारे में बताते हुए समाज के लिए उनके सभी योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री दिनेश अग्रवाल ने कहा कि, "कार्य को करते समय एकाग्रता अति आवश्यक है, शारीरिक उपस्थिति के साथ साथ मानसिक उपस्थिति भी आवश्यक है। सबको अब्दुल कलाम जी से प्रेरणा लेकर उनके तरह बनना चाहिए। एक ही अब्दुल कलाम से क्या होगा? शारीरिक संरचना मायने नहीं रखती, बुद्धि महत्वपूर्ण है, कभी भी अपने जीवन में अपनी परिस्थिति के बारे में मत सोचो, प्रत्येक समस्या का श्रेष्ठतम निदान ढूंढें। इस विश्वविद्यालय हरा भरा कैंपस और उच्चकोटि का इंफ्रास्ट्रक्चर एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण कर है, जो शिक्षा और शोध कार्य के लिए अति आवश्यक है।"भिलाई नगर विधायक देवेन्द्र यादव ने "इंजीनियर्स डे " की शुभकामनाएँ देते हुए छात्रों को प्रेरित किया और कहा कि, "आपका जिसमें मन लगता है वह कार्य निरंतरता के साथ करें, क्योंकि जीवन में कामयाबी का एक ही मंत्र है "निरंतर प्रयास" जिससे आप जीवन के उद्देश्य को प्राप्त कर सकते है।" एनआईटी रायपुर से निदेशक प्रो. ए.एम. रवानी ने कहा कि, "मात्र अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त करने से कोई अभियंता नहीं बन जाता, उनके लिए महत्वपूर्ण यह है कि जो भी ज्ञान आप ने पाया उसका सदुपयोग समाज के भलाई के लिए करें और उस ज्ञान का उपयोग सभी जगह सही तरीके से करें। अभियंताओं का योगदान संसार में चारों ओर है, पब्लिकेशन, ट्रांसपोर्टेशन, हैल्थ सेक्टर सभी जगह अभियंताओं ने अपना योगदान दिया। तकनीकी के अच्छे और बुरे दोनों ही प्रभाव होते हैं लेकिन ये हम पर निर्भर होता है कि हम उसका कैसे उपयोग करते हैं।"

नेशनल फार्मेसी वीक : छात्रों और शिक्षकों ने किया रक्तदान...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के फार्मेसी विभाग द्वारा आयोजित नेशनल फार्मेसी वीक में द इंडियन फार्मास्यूटिकल एसोसिएशन द्वारा निर्धारित "फार्मेसी ऑफ़ द वर्ल्ड -इंडिया" थीम के अंतर्गत बी. फार्म और डी. फार्म के छात्र-छात्राएं शामिल हुए तथा फार्मास्युटिकल विज्ञान और भारतीय दवा उद्योगों की स्थिति के बारे में अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए उत्साहित और प्रेरित महसूस होते नजर आए। नैशनल फार्मेसी वीक के दौरान फार्मेसी विभाग द्वारा रंगोली, पोस्टर प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद और कबड्डी, जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, इसके साथ ही आज रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमें विभाग के प्राचार्य प्रो. विजय कुमार सिंह ने भी रक्तदान किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति हर्ष गौतम, कुलपति प्रो डॉ. एस. के सिंह, कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह, एवं डीन एकेडमिक्स प्रो. आरआरएल बिराली ने ब्लडप्रेशर चेकअप भी कराया और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

स्वच्छता पखवाड़ा में शामिल हुआ एसआरयू

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 01 से 15 सितम्बर 2022 तक "स्वच्छता पखवाड़ा" के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सरकार द्वारा कार्यक्षेत्र में गुणात्मक स्वच्छता सुधारों की अपेक्षा के साथ "स्वच्छता पखवाड़ा" अभियान शुरू किया गया। जिसके अंतर्गत विश्वविद्यालय के सभी सदस्यों और छात्रों ने मन,वचन और कर्म से जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में मुख्यत: निज आवास, विश्वविद्यालय परिसर एवं सार्वजनिक स्थलों में अपने संज्ञान में स्वच्छता बनाए रखने एवं यथासंभव अन्य भद्रजनों को स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करने का प्रयास करने की शपथ ली। उन्नत भारत अभियान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई के द्वारा गोद लिए गए गाँवों, धनेली, सिवनी, धूसेरा के विद्यालय में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए पेंटिंग, निबंध, वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, कम्युनिटी आउटरीच आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय में मनाया गया वीर बाल दिवस, सिख गुरु गोबिंद सिंह के सुपुत्रों को दी श्रद्धांजलि...

26 दिसंबर 2022 को विश्वविद्यालय में सिख गुरु गोबिंद सिंह के सुपुत्र शहीद जोरावर सिंह और फतेह सिंह के साहस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वीर बाल दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने कहा कि, 'सिखों के दशम गुरू गोबिंद सिंह साहब के पुत्रों शहीद जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को याद करने के लिए हम वीर बाल दिवस मना रहे है। शहीद जोरावर सिंह और फतेह सिंह 7 और 9 साल की छोटी उम्र में ही अपने धर्म और संस्कृति की रक्षा करते-करते शहीद हो गए थे। हमारे छात्रों को इतिहास पढ़ना चाहिए ताकि उनमें गौरवशाली अतीत से प्रेरित होकर राष्ट्र प्रेम की भावना जागृत हो सके।

'भारतीय गणित की प्रासंगिकता और रामानुजन का योगदान' विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान...

यूनिवर्सिटी के गणित विभाग द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर प्रसिद्ध भारतीय गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के गणितीय अवदानों को उल्लेखित करने के लिए 'भारतीय गणित की प्रासंगिकता और रामानुजन का योगदान' विषय पर ऑनलाइन लेक्चर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता शासकीय महाविद्यालय, मनावर, धार (म. प्र.) के गणित विभग की विभागाध्यक्षा डॉ. प्रगति जैन थी। उन्होंने बताया कि भारतीय गणितज्ञों ने ही शून्य, स्थानीय मान, घातांक, लघुगणक, त्रिकोणमिति, ज्यामिति, अनंत आदि के महतवपूर्ण नियम प्रतिपादित किये हैं। उन्होंने रामानुजन ने नंबर थ्योरी, मैजिक स्क्वायर और टैक्सी कैब नंबर (1729) पर रोचक व्याख्यान दिया, तथा नयी शिक्षानीति में गणित विषय की अनिवार्यता को सरकार का सराहनीय कदम बताया।

सुनो रायपुर अभियान

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता लाने के लिए "सुनो रायपुर" अभियान के तहत विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और छात्रों को रायपुर पुलिस द्वारा जागरूक किया गया, जिसमें नया रायपुर सीएसपी जितेंद्र चंद्राकर, मुजगहन थाना के टीआई विजय ठाकुर, एसआई मुजगहन थाना सुंदर लाल गोले ने विश्वविद्यालय में जानकारी साझा की। इस अभियान के तहत उन्होंने बताया की इन दिनों लोग लेन-देन के लिए डिजिटल तरीके- नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और डिजिटल पेमेंट्स अपनाते हैं जिसके दौरान कई बार लोग साइबर ठगी का शिकार होकर अपनी मेहनत की कमाई गंवा देते हैं। इसलिए रायपुर पुलिस ने लोगों को साइबर अपराधों का शिकार होने से बचाने के लिए साइबर क्राइम के अलग- अलग तरीकों और उससे बचने के उपायों के संबंध में अभियान चलाया है।

विवि के कुलपति प्रो एस. के. सिंह को मिला आब्जर्वर लाइफ टाइम अचीवमेण्ट अवॉर्ड

आब्जर्वर पीस फाउण्डेशन वाराणसी (उ.प्र.) भारत द्वारा श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़ के कुलपति प्रो. सुरेन्द्र कुमार सिंह को आब्जर्वर अवॉर्ड-2022 से सम्मानित किया गया। 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 152वीं जयंती पर कुलपति प्रो. एस. के . सिंह को शिक्षा के क्षेत्र में उनके विशिष्ट और अप्रतिम योगदान के लिए 'आब्जर्वर लाइफ टाइम अचीवमेण्ट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपति प्रो एस. के. सिंह को मिले इस सम्मान के लिए पूरा विश्वविद्यालय गर्वान्वित हैं।

डॉ. क्रांति कुमार देवांगन 8वीं विश्व कांग्रेस डब्ल्यूसीसीआरटी-2023में हुए आमंत्रित...

विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. क्रांति कुमार देवांगन को 8वीं विश्व कांग्रेस कैंसर अनुसंधान और चिकित्सा (डब्ल्यूसीसीआरटी-2023) पर लेक्चर के लिए आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन 19-20 जुलाई, 2023 को फ्रैंकफर्ट, जर्मनी में आयोजित होना है। उल्लेखनीय है कि डॉ. क्रांति कुमार देवांगन द्वारा संपूर्ण विश्व कैंसर 2023 टीम 'हाइब्रिड ऑप्टिमाइज़ेशन' तकनीक के साथ किया गया शोध डीप लर्निंग का उपयोग करके "प्रारंभिक चरण में स्तन कैंसर निदान" शीर्षक पर एससीआई इंडेक्स्ड जर्नल कॉन्फरेन्सी एंड कम्प्यूटेशन प्रैक्टिस एंड एक्सपीरियंस में प्रकाशित हुआ। यह रिसर्च पेपर 12 अक्टूबर 2022 को विली ऑनलाइन लाइब्रेरीय में प्रकाशित हुआ। डॉ. क्रांति कुमार देवांगन द्वारा किये गए इस महत्वपूर्ण शोध के लिए उन्हें सम्मानित करने और उन्हें समान विचारधारा वाले पेशेवरों तथादर्शकों को संबोधित करने के लिए आमंत्रित किया गया हैं।

सहायक प्रध्यापक राजेन्द्र कुमार पटेल का शोध पत्र हुआ प्रकाशित...

विश्वविद्यालय के मेकैनिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रध्यापक राजेन्द्र कुमार पटेल का शोध पेपर ऑफिसियल जर्नल ऑफ़ द पेटेंट ऑफिस में ऑफिस ऑफ़ द कंट्रोलर जनरल ऑफ़ पेटेंट्स, डिज़ाइन्स एंड ट्रेड मार्क्स, डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ़ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड मिनिस्ट्री ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री पेंटेट, गॉवर्मेंट ऑफ़ इंडिया द्वारा पेंटेट हुआ है। रिसर्च पेपर विषय "ब्लॉकचैन क्षेत्र और आविष्कार की पृष्ठभूमि के आधार पर कुशल अनुबंध प्रणालियों के लिए वितरित स्मार्ट लेजरिंग समाधान" है। राजेन्द्र कुमार पटेल के शोध के अनुसार पूरे विश्व की जनसंख्या दशकों से लगातार बढ़ रही है, मनुष्यों के जीवित रहने के लिए निरंतर शोध और संश्लिष्ट परिणाम का प्रयोग करके बिखरी हुई और जटिल आपूर्ति श्रृंखला को संयोजित किया जा सकता है ।अंततः निर्माण उद्योग को इस प्रक्रिया से एक प्रमुख विकल्प एवं समाधान उपलब्ध कराया जा सकता है।

डॉ. मनीष वर्मा का शोध पत्र हुआ 'पुराण' में प्रकाशित...

विश्वविद्यालय के डीन, फ़ैकल्टी ऑफ आर्ट्स डॉ. मनीष वर्मा के दो शोध पत्र यूजीसी केयर लिस्ट-1 के जर्नल 'पुराण' में प्रकाशित हुआ है। डॉ. मनीष वर्मा के शोध पत्र में एक विषय 'आईडेंटीफाइंग टेक्स्ट्स विथ हाई रीडएबिलिटी: एन इन्वेस्टीगेशन ऑफ़ द वर्क्स ऑफ़ सुधा मूर्ति' एवं दूसरा रिसर्च पेपर 'कोलोनियल डाएसपोरा एण्ड गिरमिटया आइडेंटिटी नेगोटिएशन इन अमिताव घोष इबिस ट्रिलॉजी' है। अँग्रेज़ी साहित्य के दो महत्वपूर्ण विषयों में डॉ. मनीष वर्मा ने कार्य किया है, अपनी शोध प्रवृत्ति के कारण वे अलग- अलग विषयों में निरंतर शोधरत रहते हैं।

अस्सिटेंट प्रोफेसर ओमप्रकाश ठाकरे का शोध पत्र बुक चैप्टर के रूप में प्रकाशित...

विश्वविद्यालय के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से श्री ओमप्रकाश ठाकरे कोलकता में 29 से 30 नवंबर को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी "प्रोसीडिंग्स ऑफ़ द इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ट्रैंड इन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी" (EMTES-2022) में शोध पत्र प्रस्तुत किया।यह शोध पत्र "इमर्जिंग टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट ट्रैंड इन एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी" बुक के चैप्टर 18 में "वर्किंग एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट ऑफ़ पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट इन मॉडर्न इंडस्ट्रियल सेक्टर" (आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का कार्यशील पर्यावरणीय प्रभाव) विषय से प्रकाशित हुआ हैं।ओमप्रकाश ठाकरे एवं उनके शोध छात्र राम निवास ने मिलकर यह शोध पत्र को पूरा किया, जिसका उद्देश्य आधुनिक औद्योगिक क्षेत्र में व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का कार्यशील पर्यावरणीय प्रभाव का गहन शोध से एक नया परिणाम निकलना रहा।

शोध केंद्र निदेशक डॉ. ए.के. सरकार को मिला नईदुनिया "ज्योतिर्मय सम्मान"

विश्वविद्यालय रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डॉ. ए.के. सरकार को नईदुनिया "ज्योतिर्मय सम्मान" से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान छात्रों के भविष्य को आलोकित करने के लिए और शिक्षा के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान देने वाले गुरुजनों को दिया गया है।नईदुनिया ग्रुप द्वारा आयोजित कार्यक्रम शिक्षकों को सम्मान देने और उनके काम की सराहना करने के निमित्त किया जाता है । बता दें कि विभिन्न स्कूलों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों से 50 शिक्षकों को सम्मानित किया गया, जिसमें श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी से डॉ. ए.के. सरकार भी शामिल है।

डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम का आविष्कार आफिशियल जर्नल ऑफ द पेटेंट ऑफिस में हुआ प्रकाशित...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय से डॉ. सुरेंद्र कुमार गौतम, विभागाध्यक्ष, लाइफ साइंस विभाग का आविष्कारजर्नल (संख्या 46/2022) पेटेंट 18 नवंबर 2022 को हुआ। यह पेटेंट मशरूम की उपज बढ़ाने के लिए मशरूम के गठन के आनुवंशिक विश्लेषण के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण पर हुआ है। जिसका सार प्रस्तावित आविष्कार मशरूम के निर्माण के आनुवंशिक पहलुओं के विश्लेषण पर केंद्रित है, और उद्देश्य मशरूम की उपज और मशरूम की खेती में सुधार करना है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ. मिथिलेश सिंह का शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में प्रकाशित...

विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के एचओडी डॉ. मिथिलेश सिंह ने यूजीसी केयर 2017 में सूचीबद्ध अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका में अगस्त और सितंबर 2022 के महीने में 3 शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। डॉ. सिंह का पहला शोध पत्र इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईआरजेईटी) में अरुडिनो का उपयोग करते हुए ऑटोमेटिक पावर फैक्टर सुधार के तरीकों पर एक समीक्षा और दूसरा ग्रिड सिस्टम के लिए मल्टी ऐरे पीवी बैटरी आधारित द्वि-दिशात्मक कनवर्टर की पद्धतियों पर एक समीक्षा और तीसरा इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस एंड एडवांस रिसर्च इन टेक्नोलॉजी में घरेलू प्रणाली के लिए माइक्रोकंट्रोलर आधारित पावर फैक्टर सुधार विषय पर प्रकाशित है।

डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा का शोध प्रबंध मैथमेटिक्स इन एन्सिएंट जैन लिटरेचर में हुआ प्रकाशित...

विश्वविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार शर्मा ने 'अनंत का सिद्धांत: भारतीय गणितज्ञों की देन' पर शोध कर अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया हैं। डॉ. शर्मा ने वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग, सिंगापुर द्वारा हाल ही में प्रकाशित पुस्तक मैथमेटिक्स इन एन्सिएंट जैन लिटरेचर में प्रकाशित अपने प्रबंध में भारतीय गणितज्ञों की खोज के महत्व को प्रतिपादित किया है। अतिप्रतिष्ठित शोध पत्रिका वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशिंग में डॉ. शर्मा ने बताया है कि भारतीय गणितज्ञों ने 800 ई. से पूर्व ही ट्रांसफाइनाइट नंबर के सिद्धांत का विकास कर लिया था और उन्होंने सारी संख्याओं को तीन भागो में विभाजित किया था, जिसमें अंतिम भाग को अनंत कहा गया था।

डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय का शोध पत्र "चैतन्य" में प्रकाशित

विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय का रिफरिड पीयर रिव्यु इण्टरनेशनल जर्नल'चैतन्य' (डॉ.बाबासाहेब आम्बेडकर मुक्त विश्वविद्यालय,अहमदाबाद) में 'राष्ट्र-निर्माण में तिलक के स्वराज्य दर्शन की भूमिका' शीर्षक के अंतर्गत शोध पत्र प्रकाशित हुआ। साथ ही सीडीडीएसएसएच (स्कूल ऑफ़ ह्युमिनीटीज़ एंड सोशल साइंसेज, साबरमती) द्वारा आयोजित 'डॉयलाग एण्ड डिलिवरेन्स इन सोशल साइंसेज एण्ड ह्युमनिटीज' पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भागीदारी कर 'लोकमान्य तिलक के स्वराज दर्शन की प्रासंगिकता' शीर्षक के अन्तर्गत शोध पत्र प्रस्तुत किये।

डॉ. अजय गुप्ता सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना- III में हुए शामिल...

विश्वविद्यालय के डॉ. अजय गुप्ता (प्रधान अन्वेषक), इग्नू नई दिल्ली से डॉ. संजय अग्रवाल (सह-प्रधान अन्वेषक) और यूटीडी-सीएसवीटीयू भिलाई से डॉ. हरीश घृतलाहरे (सह-प्रधान अन्वेषक) के तौर पर एक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना (TEQIP-III) पर कार्य कर रहे हैं।ध्यातव्य हो कि टीईक्यूआईपी-III तकनीकी शिक्षा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम विश्व बैंक द्वारा सहायता प्राप्त भारत सरकार की एक परियोजना है। टीईक्यूआईपी III अप्रैल 2017 में शुरू किया गया था जिससे संबंधित तकनीकी विश्वविद्यालयों (एटीयू) को शामिल करने और ट्रेनिंग व्यवस्था से परियोजना संस्थानों की नीति, अकादमिक और प्रबंधन प्रथाओं में क्षमता निर्माण और सुधार सुनिश्चित होता है।

विश्वविद्यालय में "दीक्षारम्भ समारोह" का उदघाटन...

विश्वविद्यालय में 1 सितम्बर 2022 को सत्र 2022-23 का दीक्षारम्भ समारोह का उद्घाटन किया गया, जिसका उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उनका मनोबल बढ़ाना था। "दीक्षारम्भ" उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. रजत मूना, विशिष्ट अतिथि आयुष एवं स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ के पूर्व कुलपति पद्म श्री डॉ.अरुण टी. दाबके एवं जय प्रकाश नारायण विश्वविद्यालय, छपरा बिहार के पूर्व कुलपति प्रो. हरिकेश सिंह रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम, कुलपति प्रो. एस. के. सिंह और कुलसचिव प्रभारी मनोज कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। प्रति-कुलाधिपति महोदय ने दीक्षारम्भ उदघाटन समारोह के स्वागत भाषण में कहा कि, 'दीक्षारम्भ उदघाटन समारोह का उद्देश्य अतिथियों के गूढ़ ज्ञान और श्रेष्ठ शैक्षणिक अनुभव से प्रेरणा लेना है। आप उपाधि तो प्राप्त कर सकते है लेकिन हमारे बीच उपस्थित इन महान व्यक्तियों के जैसे बनने के लिए आपको शिक्षा का महत्त्व समझना होगा।' कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत किया और दीक्षारम्भ उदघाटन समारोह के अवसर पर शिक्षा के प्रति सभी नवप्रवेशित विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, तथा कहा कि, 'शिक्षा का मुख्य उद्देश्य मानव मस्तिष्क में नये-नये विचार उत्पन्न करना है ताकि छात्रों को नई दिशा दे सके। विद्यार्थी वैज्ञानिकता और आध्यात्मिकता के समायोजन के साथ आगे बढ़े। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सभी विद्यार्थियों की बेहतर भविष्य की कामना करता हूँ। ' वहीं प्रो हरिकेश सिंह ने कहा कि व्यक्ति जीवन में कोई ना कोई लक्ष्य लेकर आगे बढ़ता है जो उसके माता -पिता की प्रेरणा से निर्धारित होता है और उनके आशीर्वाद तथा अपने कठोर परिश्रम से पूर्ण होता है।आईआईटी भिलाई के डायरेक्टर प्रो. रजत मूना ने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि भारत की नई शिक्षा नीति में राष्ट्र को नई दिशा देने की क्षमता है जिससे विद्यार्थियों की प्रतिभा में और निखार आएगा। इसी दौरान पद्मश्री डॉ. अरुण टी. दाबके ने अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए छात्रों को प्रोत्साहित किया।

"दीक्षारम्भ" समारोह का द्वितीय दिवस...

2 सितंबर 2022 को विश्वविद्यालय में सत्र 2022-23 का दीक्षारम्भ समारोह का द्वितीय दिवस छात्रों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और भविष्य में बेहतर दिशा निर्देशन प्रदान करने के उद्देश्य से सम्पन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, रायपुर से डॉ. कमलेश जैन, विशेष अतिथि अविनाश डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से प्रबंध निदेशक आनंद सिंघानिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो.एस.के. सिंह ने उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा, 'महाराज जी के आशीर्वाद से, विश्वविद्यालय ने पिछले चार वर्षों में यूजीसी द्वारा 12 (बी) जैसी उपलब्धि प्राप्त कर ली है, जो किसी भी नए विश्वविद्यालय के लिए बहुत दुर्लभ है और विश्वविद्यालय की स्थापना 2018 में श्री रावतपुरा सरकार लोक कल्याण ट्रस्ट द्वारा की गई थी। यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मानव के जीवन को बेहतर बनाने के मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है। पिछले चार वर्षों के भीतर, 6000 से अधिक छात्र विश्वविद्यालय का हिस्सा बने है। महाराज जी के प्रेरक संकल्प-श्रद्धा,आस्था, विश्वास, परिश्रम और प्रयास में ही सफलता की कुंजी छुपी हुई हैं। जो छात्र इन शब्दों के महत्व को समझ कर अपने जीवन में इसे आत्मसात करते हैं उनके पास सफलता स्वयं आती है।'दीक्षारम्भ समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. कमलेश जैन ने सभी छात्रों को जीवन का महत्व बताते हुए अपने जीवन के काफी अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी शिक्षा के साथ अपने अंदर मानवता एवं नैतिकता द्वारा स्थापित गुणवत्ता परक सिद्धांतो के स्थापना से जीवन में परिवर्तन लाए। तम्बाकू जैसे हानिकारक पदार्थ से बचें।' उन्होंने विद्यार्थियों को तम्बाकू सेवन न करने की शपथ दिलाई। उन्होंने अंग दान के माध्यम से लोगो के सहायता की प्रेरणा दी। विशेष अतिथि आनंद सिंघानिया ने विश्वविद्यालय की तारीफ करते हुए कहा कि चार साल में विश्वविद्यालय सफलता के इस मुक़ाम तक पहुंच चुका हैं। शिक्षा हमें हर एक दिन एक नई दिशा दिखाती है। आपके पास कई अवसर हैं आपको उन्हें तलाश करना है और अपने अध्यावसाय से जीवन लक्ष्य को प्राप्त करना है।

"दीक्षारम्भ" तृतीय दिवस: विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की सुविधाओं से कराया गया अवगत...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में सत्र 2022-23 को दीक्षारम्भ के तीसरा दिन पुस्तकालय विभागाध्यक्ष डॉ.गिरजा शंकर पटेल,प्लेसमेंट अधिकारी आशीष तिवारी द्वारा नए छात्रों का मार्गदर्शन किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने नए छात्रों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा, 'आप अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर रहे, समय का सही उपयोग करे, अपने वर्तमान में आवश्यक श्रम और शिक्षा के द्वारा अपना भविष्य बनाएं। विश्वविद्यालय में आयोजित गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर भागीदारी करें।'प्लेसमेंट अधिकारी आशीष तिवारी ने प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल पर केंद्रित जानकारी दी जिसके अंदर उन्होंने केरियर प्लानिंग, स्किल्स डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग , इंटर्नशिप/औद्योगिक प्रशिक्षण सहायता, विद्यार्थी कल्याण गतिविधियां, नियोक्ता की मांग,छात्रों का प्रशिक्षण एवं विकास, कैंपस प्लेसमेंट प्रक्रिया,पात्रता मानदंड, प्लेसमेंट के लिए कंपनियां ,जॉब प्लेसमेंट संबंधी सूचनाओं विधार्थियों को अवगत कराया। पुस्तकालय विभागाध्यक्ष डॉ. गिरजा शंकर पटेल एवं सचिन दीवान ने विश्वविद्यालय के 5 अलग-अलग पुस्तकालय के बारे में बताया, जिसमें केंद्रीय पुस्तकालय, इंजीनियरिंग लाइब्रेरी, वाणिज्य प्रबंधन, विधि पुस्तकालय, फार्मेसी लाइब्रेरी और विशेष शिक्षा पुस्तकालय के संबंध में सभी नए छात्रों को अवगत कराया। उन्होंने लाइब्रेरी सदस्यता, लाइब्रेरी सामान्य नियम, लाइब्रेरी संग्रह, ई-लाइब्रेरी, लाइब्रेरी मोटिवेशनल प्रोग्राम के बारे में बताया ताकि सभी नए छात्र लाइब्रेरी की सुविधाओं का उपयोग कर सकें।

"भारत की अर्थव्यवस्था पर डिजिटलीकरण का प्रभाव" पर व्याख्यान...

विश्वविद्यालय में दिनाँक 2 अगस्त 2022 को प्रथम व्याख्यानमाला 2022-23 का शुभारंभ साईराम प्रेक्षागृह में किया गया। "भारत की अर्थव्यवस्था पर डिजिटलीकरण का प्रभाव" शीर्षक के अंतर्गत आयोजित व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र के वर्तमान प्रो. एवं मणिपुर केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंफाल के पूर्व कुलपति प्रो. आद्या प्रसाद पाण्डेय रहे। मुख्य वक्ता ने छात्रों से कहा कि, 'आप जितने अधिक लोगो से मिलेंगे उतने ही अधिक ज्ञान की प्राप्ति होगी। क्लास रूम में जो शिक्षा आप को प्राप्त होती हैं उससे केवल 25 % ज्ञान प्राप्त होता हैं, 25 % आप अपने सहपाठियों से और शिक्षकों से जो इंटरेक्ट करते हैं उससे प्राप्त होता हैं और शेष 25 % ज्ञान प्राप्त स्वाध्याय से होता है, ज्ञान के लिए स्वाध्याय की सबसे अधिक जरूरत हैं।' प्रो.पाण्डेय ने छात्रों के साथ अपने जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया, 'देश सेवा के लिए जो कुछ भी हो पाए वो जरूर करे और प्रयास करें कि अपने पूर्वजों, अपने बड़ों तथा अनुजों को ऐसा न लगने दे की कभी आपके द्वारा कुछ गलत कार्य हुआ है। शरीर का सम्पूर्ण विकास करना है तो एक-दो विटामिन्स से काम नहीं चलेगा सारे पोषक तत्वों की संतुलित मात्रा होनी आवश्यक है इसी तरह से छात्रों के लिए क्लास रूम की शिक्षा महत्वपूर्ण होती है साथ ही प्रत्येक स्थान एवं अनुभव से शिक्षा भी ग्रहण करें। हम इलेक्ट्रॉनिक वस्तुवों के प्रयोग में आगे हैं। अनेक देशों की तुलना में हमारे यहां अधिक टेलीविजन, मोबाइल तथा अन्य इलैक्ट्रोनिक उपकरणों का प्रयोग करते हैं किन्तु इन सभी चीजों के सकरात्मक उपयोग के अतिरिक्त अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए और भी क्षेत्र में परिश्रम की आवश्यकता है। हमने चहुँमुखी विकास किया है परन्तु विकास की प्रक्रिया को सूचना प्रौद्योगिकी से कैसे जोड़ा जाए यह समझना बहुत आवश्यक है। लोगों की समस्याओं को कम करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक इंटरकनेक्ट कर उसके साथ-साथ डिजिटल इंडिया इन्सेंटिव के माध्यम से आर्थिक वृद्धि को जोड़ा जाये । इसके लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर काफी महत्वपूर्ण हैं और इसके लिए स्ट्रॉन्ग इंटरनेट सेवा होना जरूरी है। भारत की अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 3 आईटी- इंडियन टैलेंट, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, इंडिया टुमॉरो, अत्यधिक महत्वपूर्ण है, इन माध्यमों के द्वारा हम विकास को आगे बढ़ा सकते हैं।

भारतीय वैश्विक अर्थव्यवस्था की गतिशीलता पर व्याख्यान...

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में द्वितीय व्याख्यानमाला का आयोजन 18 अगस्त 2022 को किया गया। यह व्याख्यान "भारतीय वैश्विक अर्थव्यवस्था की गतिशीलता" ('Dynamics of Indian Global Economy') थीम पर हुआ, जिसके मुख्य वक्ता वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर (यूपी) एवं एपीएस विश्वविद्यालय रीवा (मप्र) के पूर्व कुलपति प्रो. पीयूष रंजन अग्रवाल रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने व्याख्यानमाला का उद्देश्य बताते हुए कहा कि कार्यक्रम का लक्ष्य विश्वविद्यालय के शिक्षण सत्र को गति प्रदान करना है। मुख्य वक्ता ने व्याख्यान में "भारतीय वैश्विक अर्थव्यवस्था की गतिशीलता" के संदर्भ में कुछ अग्रलिखित विषयों पर प्रकाश डाला, यथा-वर्ष 1992-2022 तक के अति मुद्रास्फीति, उच्च ब्याज दर,धीमी वृद्धि,15 दिनों का न्यूनतम विदेशी मुद्रा भंडार, रुकी हुई ऋण-सेवा, सुस्त औद्योगिक गतिविधियां, 35.3% आईएमएफ से लिया गया $7 बिलियन(1991-92) उधार आदि इसके साथ ही इंडिया प्लेज्ड गोल्ड ,इंटर एड इक्विटी रेमेडी, रूट ऑफ़ फॉरेन इक्विटी फण्ड, न्यू डेफिनिशन ऑफ़ ग्लोबल वर्ल्ड आर्डर, कॉन्टिनुइटी इन सोसिओ-इकॉनोमिक पॉलिटिक्स, चाइना टैक्स ओवर यूगांडा एयरपोर्ट, सुनामी इन इंडिया, ऑनगोइंग रूस-यूक्रेन वॉर इम्पैक्ट का भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में व्याख्या की। उन्होंने लेक्चर सीरीज में उपस्थित सदस्यों द्वारा किये गए सवालों के जवाब भी दिए। जिससे उन सदस्यों को उनकी जिज्ञासाओं के अनुसार जवाब प्राप्त हुआ।

गंगा नदी की पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता की पुनर्स्थापना: अवसर और चुनौतियों पर विमर्श...

विश्वविद्यालय अपने छात्रों को भविष्य के प्रति जागरूक करने और बेहतर दिशा के साथ बेहतर कल देने की दिशा में पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ-साथ समसमायिक विषयों पर भी शिक्षा प्रदान कर रहा है। इसी कड़ी में 20 अगस्त'22 को तृतीय व्याख्यानमाला का आयोजन "गंगा नदी की पारिस्थितिकी तंत्र की अखंडता की पुनर्स्थापना: अवसर और चुनौतियां" ('Restoration of Ecological Integrity of River Ganga Opportunities and Challenges') थीम पर किया गया। व्याख्यानमाला के मुख्य वक्ता प्रो.रवींद्र कुमार सिन्हा कुलपति, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय कटरा, जम्मू और कश्मीर से थे। विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित वक्ता प्रो.सिन्हा का स्वागत करते हुए कहा, 'महाराज जी के आशीर्वाद एवं प्रेरणा से यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में विशेष रूप से कम लागत और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से मानव के जीवन को बेहतर बनाने के मिशन के साथ यह एक महान मील का पत्थर सिद्ध हुआ है, हमारे मुख्य वक्ता प्रो.रवींद्र कुमार सिन्हा जी को अपना समय और ज्ञान साझा करने के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ और आशा है कि वह हमें उनके मार्गदर्शन से उपकृत करते रहेंगे।' प्रो.सिन्हा बताया कि, 'मानव ने अनादिकाल से परिवहन, जल आपूर्ति, बाढ़ नियंत्रण, कृषि और बिजली उत्पादन आदि के लिए नदियों को वश में किया है। स्वस्थ नदी पारिस्थितिकी प्रणालियों के संरक्षण और बहाली के लिए व्यापक चिंता करने की आवश्यकता है। गंगा नदी के अनियंत्रित दोहन के परिणामस्वरूप पारिस्थितिकी असंतुलन के कारण जैविक विविधता समाप्त हो रही है और मौलिक वैज्ञानिक सिद्धांत यह है कि बहती जल प्रणालियों की अखंडता काफी हद तक उनके प्राकृतिक गतिशील चरित्र पर निर्भर करती है। एक नदी का प्राकृतिक प्रवाह घंटों, दिनों, मौसमों, वर्षों और उससे अधिक समय के पैमाने पर भिन्न-भिन्न होता है।' उन्होंने गंगा नदी तथा देश की अन्य नदियों की पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में चर्चा की। उन्होंने बताया कि मानव कैसे दिन-प्रतिदिन अपनी प्रकृतिक सम्पदाओं का नुकसान कर रहा हैं और भविष्य में इससे संबंधित कैसी-कैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, इसे हम कैसे रोक सकते हैं तथा आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और संवर्धन के महत्व पर उन्होंने प्रकाश डाला।

"कोरोना वायरस महामारी: विज्ञान और अब तक सीखे गए सबक" पर गंभीर चर्चा

विश्वविद्यालय में व्याख्यानमाला की चतुर्थ कड़ी का आयोजन 22 अगस्त'22 को "कोरोना वायरस महामारी: विज्ञान और अब तक सीखे गए सबक" के मूल विषय पर किया गया। कार्यक्रम में प्रधानवक्ता के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष और नैक के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. वीरेंद्र सिंह चौहान उपस्थित थे, साथ ही इस अवसर पर किरोड़ीमल कॉलेज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली से प्रो. विभा सिंह भी उपस्थित थी। श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस. के. सिंह, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं के मध्य प्रो. चौहान ने "कोरोना वायरस महामारी: विज्ञान, और अब तक सीखे गए सबक" पर महत्वपूर्ण ज्ञान साझा करते हुए बताया, "सभी वायरस में आनुवंशिक सामग्री (आरएनए या डीएनए) होती है। जिसमें आरएनए वायरस से सार्स, हेपेटाइटिस-सी, एचआईवी, फ्लू; जबकि डीएनए वायरस से चेचक, हरपीज जैसी बीमारियाँ होती हैं। आनुवांशिक सामग्री में वायरल प्रोटीन बनाने की सभी सूचनाएं होती है। वायरस स्वयं की प्रतिकृति नहीं बना सकते हैं, और उन्हें इसके लिए मेजबान कोशिका मशीनरी (पौधे, बैक्टीरिया, पशु, मनुष्य आदि) की आवश्यकता होती है और विभिन्न आकार और प्रकार के वायरस अपने संचरण के माध्यम से मेजबान कोशिकाओं में प्रवेश के लिए कई अलग-अलग तरीके अपनाते हैं। जहां कोई डीएनए और आरएनए नहीं होता वहां कोई वायरस उत्पादन और प्रजनन नहीं कर सकता है।कोरोना वायरस के विभिन्न उत्परिवर्ती इसी तरह से संक्रमण करते रहे हैं।कोरोना सबसे पहले दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर में पाया गया था। 11 जनवरी 2020 को इसके जीनोम सीक्वेंस को सार्वजनिक किया गया और आरटी-पीसीआर जीनोम तकनिकी विकसित कर रिसेप्टर की पहचान-सीओ-2 के रूप में की गयी। 31 जनवरी 2020 को भारत में पहला मामला पाया गया जबकि 11 मार्च 2020 को विश्व स्वास्थ संगठन द्वारा कोरोना को वैश्विक महामारी घोषित किया गया। वैक्सीन के अलग-अलग वैक्सीन के प्रकार होते हैं और 20 से अधिक टीके उपयोग में हैं। ना केवल इस वायरस ने हजारों लोगों की जान ली, बल्कि जीवन की रफ्तार को ही धीमा कर दिया।" इसके साथ ही उन्होंने अब तक सम्पूर्ण विश्व में होने वाले अलग-अलग संक्रमणों के आंकड़े बताए। प्रो. चौहान ने इस अत्यंत ज्ञानवर्धक व्याख्यानमाला में उपस्थित जिज्ञासुओं के शंकाओं का समाधान भी किया।

सीजीपीयूआरसी के अध्यक्ष ने शिक्षा प्रणाली के तीन स्तंभों पर की चर्चा..

23 अगस्त'22 को विश्वविद्यालय में क्रमिक व्याख्यानमाला में पंचम सोपान का आरम्भ माँ सरस्वती की वंदना और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रधानवक्ता सीजीपीयूआरसी के अध्यक्ष डॉ.यू.के.मिश्रा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि, "शिक्षा प्रणाली केवल किसी भी विषय की जानकारी प्रदान करने की एकल मार्गी प्रक्रिया ही नहीं है, यह शिक्षक-शिक्षार्थी के मध्य किसी भी विषय के ज्ञान का संयोजन करने की द्विमार्गी प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षण, प्रशिक्षण और अधिगम एक विशेष पहलू है। शिक्षा का अपना एक वातावरण होता है और शिक्षा का वातावरण बनाना अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है, जिसका उत्तरदायित्व प्रबंध-तंत्र का होता है। हम बड़ी-बड़ी इमारतें तो खड़ी कर देते हैं किन्तु यदि हम छात्रों के अंतर्मन में सीखने की इच्छा जागृत नहीं कर पा रहे हैं तो ये अट्टालिकायें अर्थहीन हैं। हमें ऐसा वातावरण निर्मित करना होगा कि विद्यार्थी स्वयं सीखने के लिए उद्यत हों। विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अपने लक्ष्य का निर्धारण करना होगा, तत्पश्चात लक्ष्य की उपलब्धि के लिए अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा झोंक देनी होगी। मानव जीवन आनंद के लिए नहीं, जो बालपन की कपोल-कल्पना का छद्म दिवास्वप्न मात्र होता है; वास्तविक संघर्ष तब आरम्भ होता है जब आप विद्यालयीन शिक्षा पूर्ण कर आजीविका की प्रतिस्पर्धा में लग जाते है। भगवान राम एक राजपुत्र होकर भी आजीवन संघर्षरत रहे, अतः आप सभी संघर्ष के लिए मानसिक रूप से तैयार रहिए।" इसप्रकार उन्होंने विद्यालयीय शिक्षा के तीन स्तम्भ- छात्र, शिक्षक और प्रबंधन के समायोजन को लक्ष्य प्राप्ति का मूल मार्ग बताते हुये कहा कि, "विद्यार्थी मिट्टी है, अध्यापक कुम्हार है और बुनियादी ढांचा व प्रबंधन चाक है, जिसके संयोजन से एक सुन्दर घड़ा तैयार किया जाता है। तीनों के निर्धारित कर्म हैं और लक्ष्य एक।"

व्याख्यानमाला में "उपभोक्ता व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव" विषय पर विमर्श

श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में 27 अगस्त'2022 को "उपभोक्ता व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव" विषय पर षष्ठम व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ता प्रोफेसर, कारवां विश्वविद्यालय काबुल(डिवीज़न ऑफ़ अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ़ माल्टा, यूरोप), अफगानिस्तान और पूर्व प्रोफेसर, स्विस यूएमइएफ विश्वविद्यालय जिनेवा, यूरोप से डॉ. मनीष सिंह ने विद्यार्थियों को "उपभोक्ता व्यवहार पर सोशल मीडिया का प्रभाव" की संक्षेप में जानकारी दी, तथा बताया कि सोशल मीडिया क्या हैं, इसके कितने प्रकार हैं, सोशल मीडिया टूल्स एवं वेबसाइट क्या है। सोशल मीडिया का भारतीय परिदृश्य में प्रभाव पर उन्होंने बताया, "भारत में 120 बोलियों और भाषाओं के साथ 1.38 बिलियन से अधिक लोग हैं। दुनिया में इंटरनेट की पहुंच के मामले में भारत तीसरे नंबर पर है, और भारत में सोशल मीडिया की वृद्धि दर 37.4 प्रतिशत है। भारत में सक्रिय सोशल मीडिया यूजर्स की संख्या 46.7 करोड़ है और जुलाई 2022 में पूरे भारत में सोशल मीडिया प्लेटफार्मों में फेस बुक का सबसे अधिक ट्रैफिक लगभग 58 प्रतिशत था, इसके बाद यू ट्यूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम का स्थान रहा। भारतीय उपभोक्ताओं को उच्च स्तर के मूल्य अभिविन्यास के लिए जाना जाता है, इसके कारण भारतीयों को दुनिया के सबसे समझदार उपभोक्ताओं में से एक के रूप में लेबल किया जाता है। भारतीय उपभोक्ताओं के पास उच्च स्तर का पारिवारिक अभिविन्यास है और भारतीय उपभोक्ता पोषण, देखभाल और स्नेह के मूल्यों से भी जुड़े हुए हैं। दुनिया में इसका इतना वर्चस्व है कि बहुराष्ट्रीय उद्योग भी सोशल मीडिया पर भारतीय पारिवारिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के दृष्टिगत विज्ञापन प्रेषित करते हैं।" उन्होंने अलग-अलग पापुलर सोशल मीडिया के फाउंडर के नाम और उनके मौलिक मान्यताओं की चर्चा की।

इग्नू के प्रति-कुलपति ने "कम्युनिकेशन स्किल" पर की चर्चा...

विश्वविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के साथ विविध विषयों के ज्ञान के लिए व्याख्यानमाला के आयोजन की कड़ी में 8 अक्टूबर 2022 को सातवाँ व्याख्यान संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता प्रति-कुलपति, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय नई दिल्ली और पूर्व कुलपति, बरहमपुर विश्वविद्यालय, ओडिशा के प्रो. आर.पी. दास थे। प्रो. दास ने विश्वविद्यालय का आभार व्यक्त करते हुए "कम्युनिकेशन स्किल"(वक्तृत्व कौशल) के बारे में बताया कि संचार का मानव जीवन में कितना महत्व है, बिना संचार के जीवन जीना बहुत मुश्किल है। उन्होंने संचार के प्रकार, महत्व और उसके अलग-अलग प्रभाव बताये। उन्होंने संचार के स्वानुभूत घटनाओं को साझा करते हुए बताया की उन्हें भी पहले पब्लिक स्पीकिंग में झिझक होती थी किन्तु निरंतर प्रयास के बाद डर और झिझक खत्म हो जाती है। सतत प्रयास करते रहें क्योंकि प्रयास से ही "वक्तृत्व कौशल" में दक्षता आती है। उन्होंने विद्यार्थियों को कुछ प्रायोगिक सुझाव दिए, जिसमें - समाचार पत्र पढ़ना, दर्पण के समक्ष स्वयं से अंतर-संवाद करना, दूसरे से संवाद के समय आंखों से संपर्क करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा; क्योंकि कार्य क्षेत्र, स्कूल, कॉलेज, आवास और जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के लिए वक्तृत्व कौशल अत्यावश्यक है।

एसआरयू में "इनफ्लिबनेट सर्विसेज टू ऐकडेमिक कम्युनिटी" पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

विश्वविद्यालय में "इनफ्लिबनेट सर्विसेस टू ऐकडेमिक कम्युनिटी" पर 14 अक्टूबर'22 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. बलदेव भाई शर्मा एवं रिसोर्स पर्सन के रूप में वैज्ञानिक ई (सीएस) सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क (इनफ्लिबनेट)केंद्र से डॉ.अभिषेक कुमार उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय परिसर के साई राम प्रेक्षागृह में आयोजित इस कार्यशाला में लगभग 50 प्रतिभागी- आई.आई.टी. भिलाई, बस्तर विश्वविद्यालय, ए.ए.एफ.टी विश्वविद्यालय, कलिंगा विश्वविद्यालय, सरगुजा विश्वविद्यालय, पं. आर.एस.यू., महिला विद्यालय भिलाई, महंत विद्यालय रायपुर, सेंट्रल लाइब्रेरी जगदलपुर, एमिटी विश्वविद्यालय और श्री रावतपुरा सरकार यूनिवर्सिटी के सदस्य शामिल हुए। इस अवसर में विश्वविद्यालय में इनफ्लिबनेट सर्विसेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र के साथ एमओयू किया गया। इनफ्लिबनेट, आईएसआई ज्ञान-वेब एक शैक्षिक उद्धरण, अनुक्रमण तथा अन्वेषण सेवा है, जोकि वेब लिंकिंग से संयोजित है और थॉमसन रॉयटर्स द्वारा उपलब्ध कराया गया है। ज्ञान-वेब, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कला और मानविकी तक व्याप्त है। यह शोध जानकारी को उपलब्ध कराने, विश्लेषण करने और उसके प्रबंधन हेतु पुस्तक-सूची सम्बन्धी विषयवस्तु और उपकरण उपलब्ध कराता है। इसकी विशेषता है कि अनेक डाटाबेसों को एक ही समय में खोजा जा सकता है।

कार्यशाला- कार्यशाला विभिन्न विश्वविद्यालय/संस्थान/महाविद्यालय के सदस्य/अधिकारिय एवं शोद्यार्थियों के बीच इनफ्लिबनेट सेवाओं के बारे में जानकारी और जागरूकता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। जिनमें इनफ्लिबनेट की कार्य प्रणाली, पुस्तकालयों के स्वचालन के लिए वित्तीय सहायता, पुस्तकालय संसाधन और ऑनलाइन डेटाबेस का विकास, विश्वविद्यालयों में पुस्तकालय सेवाओं के विकास के लिए परियोजनाएं, मूल्यांकन और रैंकिंग ढांचा के बारे में बताया गया।

विश्वविद्यालय प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष गौतम ने स्वागत भाषण में कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य तकनीकी ज्ञान को आगे बढ़ाना बताया। जबकि कुलपति प्रो. एस. के. सिंह ने स्पष्ट किया कि कार्यशाला के माध्यम से तकनीकी ज्ञान, शोध और इंफोर्मशन टेक्नोलॉजी के बारे में बताया जायेगा।

"शोध प्राविधि" पर कार्यशाला आयोजित ..

विश्वविद्यालय में 25 से 26 नवंबर'22 को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। 'रिसर्च मेथड्स और बेसिक स्टेटिस्टिक्स' विषय पर आयोजित कार्यशाला के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार सिन्हा, कुलपति एवं निदेशक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, नया रायपुर एवं विषय विशेषज्ञ सांख्यिकी विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से प्रो. जी.पी. सिंह उपस्थित रहे।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रो. सिन्हा ने कहा कि सम्पूर्ण विश्व में प्रत्येक पीढ़ी के लिए शोध अत्यंत महत्वपूर्ण है और सामान्य व्यक्ति की तुलना में शोधार्थी की मानसिकता भिन्न होती है, संसार को अलग विश्लेषणात्मक दृष्टि से देखना सीखे बिना आपको शोध का अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हो सकता। हमें स्कूली शिक्षा से ही विद्यार्थियों में शोध की मनोवृत्ति विकसित करनी चाहिए।

कार्यशाला में विशेषज्ञ प्रो. सिंह ने प्रतिभागियों को पहले दिन शोध प्रारूप और परिकल्पना के बारे में बताया, जिसमें परिकल्पना परीक्षण के प्रकार, और अशक्त परिकल्पना तथा वैकल्पिक परिकल्पना के बारे में बताया। परिकल्पना के परीक्षण के लिए विभिन्न परीक्षणों के बारे में बात की जैसे कि जेड टेस्ट, टी टेस्ट, ची स्क्वायर टेस्ट आदि। साथ ही उन्होंने एसपीएसएस सॉफ्टवेयर के साथ हैंड्स-ऑन के बारे में बताया। इसके साथ ही दूसरे दिन उन्होंने रिसर्च मेथड्स और बेसिक स्टेटिस्टिक्स उपकरणों एवं रिसर्च के प्रत्येक प्रकारों के बारे में बताया।

कार्यशाला के समापन सत्र में डॉ. उमेश कुमार मिश्रा, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर कार्यशाला के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी।

National & International Students Speak

Hello friends I am Worjloh Slewon Domnic, Department of BSC Optometry, "My experience in Shri Rawatpura Sarkar University is great and memorable. The teachers of the University helped me to enhance my academic and Interpersonal skills. I would like to say that in Shri Rawatpura Sarkar University I see the beauty of India's cultures and the inculcation of moral values in Education.

Hello, I am Mapesh Shipilo a Student of BBA, Management department from Shri Rawatpura Sarkar University. I have selected this university on the basis of skills and knowledge taught here and I am fortunate to be selected here as a student. I've noticed that university professors are highly intellectuals and they Teach a single topic in multiple ways via practicals or ppt. which is really helpful to each student in understanding the core of the topic/subject.

Hello, I am Hassan Ndavaka Tike, a Student of B.Tech (CSE) from Shri Rawatpura Sarkar University. Let's talk about Rawatpura University which is located outside Raipur city apart from city crowds and noise. Surrounded by greenery and nature the university provides facilities like bus, canteen, gym and hostel for all students. The most important thing is today every student is keen to be independent and wants to get a job as soon as they complete their education and for that the university provides them an opportunity for campus selection right after the completion of their degree.

"I am grateful to shri rawatpura sarkar university-both the faculty and the training & placement department. they have made efforts ensuring maximum number of placed students. The university started grooming us for placement in the first few months including courses such as professional excellence program and professional skills enhancement. I was completely confident and cracked the aptitude and technical tests and interview round due to the mock tests and interviews conducted by the training and placement department and out faculty members. University provides a great platform for skills enhancement and to get a great learning experiences."

Chaitali Sahu
B.Sc. Optometry

सिर उठाकर चल ओ राही

तु सिर उठाकर चल ओ राही, है डगर अंजानी
तु डरना नहीं थकना नही, है कोसों की ये जिंदगानी
पड़ेगी लाख मुसीबतें डगर में, पर तू है वीरता की निशानी,
तू सिर उठाकर चल ओ राही, है डगर अंजानी ॥

तू इस डगर का नया मुसाफिर, है सारी डगर अंजानी
कभी धुप तो कभी छांव मिलेंगे ,पर तुझे तो है सब आजमानी
पीर छुपा मुस्कुरा बस, इतनी तो है जिंदगानी ।
तू सिर उठाकर चल ओ राही ,है डगर अंजानी ॥

पैर तेरे जर्जर हुए ,लहू के जो तेरे छाप पड़े
ये छाप डगर पर है सुहानी।
तू सिर उठाकर चल ओ राही, है डगर अंजानी ॥

अगला मुसाफिर जो गुजरेगा, पाएगा तेरे पग की निशानी
उसे भी नया हौसला मिलेगा ,अब वो डगर ना होगी विरानी ।
तू सिर उठाकर चल ओ राही ,है डगर अंजानी ॥

योगेश देवांगन
B.Pharma-1st year

प्रकृति एक जीवन प्रकृति एक रोशनी,
प्रकृति में ही छाँव है
जैसे कोई जीवन की नई नई राह है
जीवन का संचार और प्रेम का गाँव है
प्रकृति ही अनुभव और प्रकृति में ही भाव है
श्रृष्टि की रचना है और जीवन का एक नाव है
प्रकृति एक रोशनी प्रकृति ही छाँव है
प्रकृति एक रोशनी प्रकृति ही छाँव है
प्रकृति से ही ज्ञान और वैभव का भंडार है
प्रकृति ही राम और खुशियों का सार है
प्रकृति से ही राहे और समय का विस्तार है
प्रकृति से जन्म और मृत्यु का प्रसार है
प्रकृति से रोशनी और प्रकृति ही अंधकार है
प्रकृति में ही जीव और सारे जगत का उद्धार है
प्रकृति में ही जीव और सारे जगत का उद्धार है

अमन दीवान
M.Sc. - Maths

शिक्षक का कर्तव्य (लघुकथा)

राजा तुम विद्यालय क्यों नहीं आते?

गुरूजी मैं शीला बीनने गया था। (धान कटाई होने के बाद, जो धान खेत में बचा रहता है उसे ही शीला कहा जाता है।)

बेटा, बाकी सभी बच्चे तो विद्यालय आते हैं। तुम भी आया करो, विद्यालय से छुट्टी होने के बाद शीला बिनने चले जाया करो, फिर घर जाकर पढ़ाई किया करो।

हां सर, अब ऐसा ही करूंगा। लेकिन राजा का पढ़ाई-लिखाई में मन नहीं लगता था। उसको घूमना, खेतों में ऐसे ही टहलना, तालाब किनारे समय बिताना अच्छा लगता था। गुरूजी सही समय पर रोज विद्यालय आते। सभी बच्चों को कक्षा में बराबर पढ़ाते। इस गांव में केवल एक ही प्राथमिक शाला था। बच्चे अधिकतर प्राथमिक शिक्षा के बाद आगे की पढ़ाई के लिए दस किलोमीटर दूर गांव जाते थे, जहां 12वीं तक पढ़ाई होती थी।

राजा का मन तो पढ़ाई में लगता नहीं था, फिर अचानक विद्यालय आना बंद कर देता है। विद्यालय में गुरूजी ने राजा के दोस्तो से पूछा, राजा विद्यालय क्यों नहीं आ रहा है?

राजा के दोस्तों ने बताया, वह तालाब किनारे अधिकतर बैठे रहता है। किसी से ज्यादा बात भी नहीं करता।

गुरूजी विद्यालय आने के बाद तुरंत साइकिल से राजा को लेने तालाब किनारे चले गए। राजा अकेले बैठा हुआ था।

गुरूजी ने बड़े ही प्यार से पूछा 'बेटा राजा तुम विद्यालय क्यों नहीं आ रहे हो?'

राजा घबरा गया, कहीं गुरूजी उनको मार ना दे! राजा ने कुछ नहीं कहा।गुरूजी ने प्यार से समझाते हुए कहा 'बेटा पढ़ाई बहुत जरूरी है। देखो बेटा, तुम्हारे माता-पिता बहुत गरीब है, मजदूरी करते हैं। जब तक तुम पढ़ोगे लिखोगे नहीं, देश दुनिया में क्या हो रहा है? कैसे जानोगे? अपने अधिकार को कैसे जानोगे? इसके लिए पढ़ाई लिखाई जरूरी है।

गुरूजी ने राजा को अपने साइकिल में बैठाया और विद्यालय आ गए। इधर जिला शिक्षा अधिकारी औचक निरीक्षण करने विद्यालय आए थे। गुरूजीजांच में अनुपस्थित पाए गए।

अधिकारी ने उपस्थिति पंजी में लाल पेन से लिखा 'कार्यालयीन समय में अनुपस्थित पाए गए। आगे कार्यवाही की जाए।'

गुरूजी ने इसका विरोध किया और कहा, 'सर मैं रोज सही समय में विद्यालय आता हूं। सही समय में कक्षाएं भी लेता हूं और विद्यालयीन कार्य भी पूरा करता हूं। यह बच्चा पिछले एक हफ्ते से विद्यालय नहीं आ रहा था। इस बच्चे को लाने के लिए मैं गया था। आप इस बच्चे को पूछ सकते है।' अधिकारी ने गुरूजी की एक न सुनी। गुरूजी ने भी गाड़ी के सामने हठधर्मी लगा ली कि यदि इस रजिस्टर में लिखना है तो यह भी लिखिए कि 'इस दौरान वे एक हफ्ते से नहीं आ रहे, बच्चे को लेने के लिए गए थे।' फिर भी जिला शिक्षा अधिकारी ने बात नहीं सुनी।

अंत में गुरूजी के ऊपर कार्यवाही हुई। यह सब राजा देख रहा था और समझ भी रहा था। राजा को लगा गुरूजी गुस्सा होंगे। क्योंकि उसी के कारण गुरूजी को सुनना पड़ा था। लेकिन गुरूजी गुस्सा नहीं हुए।

गुरूजी ने राजा को अपने कार्यालय में समझाते हुए कहा 'बेटा तुम रोज विद्यालय आओ और मन लगाकर पढ़ाई करो।' तब से राजा रोज विद्यालय आने लगा और मन लगाकर पढ़ने लगा। इस तरह समय बीतते गया राजा अब बी. ए. पास कर पी.जी.डी.सी.ए. कर रहा था। इधर गुरूजी सेवानिवृत्त हो चुके थे।

राजा अब पढ़ाई करते हुए सरकारी नौकरी के लिए प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने लगा। दो तीन परीक्षा में असफल रहा, परंतु मंत्रालय में इस बार लगभग सात सौ पद पर विज्ञापन आया था। संयुक्त भर्ती परीक्षा थी, आखिर सफलता मिली मंत्रालय में सहायक ग्रेड तृतीय पद पर उसका चयन हो गया। राजा सोचने लगा गुरूजी अब कहां होंगे, कभी उनसे मिल पाऊंगा की नहीं? गुरुजी अपने घर के खेती बाड़ी का काम देखते, आज भी कहीं जाने के लिए या सामान लाने-लेजाने के लिए साइकिल से चलते।

गुरुजी साइकिल से जा रहे थे तभी उन्होंने देखा कोई मोटर सायकल से उनके पास आ रही है। गुरूजी तो पहले डर गए कहीं ठोकर न मार दे। लड़के ने मोटर सायकल धीरे किया और रोका।

लड़का चौबीस-पच्चीस साल का रहा होगा। लड़के ने गुरूजी के पांव छुए। गुरूजी ने कहा 'मैं तुमको नहीं पहचान पा रहा हूं, तुम कौन हो?

लड़के ने कहा 'गुरूजी मैं जब एक हफ्ते से विद्यालय नहीं आया था, तो आप मुझे लाने के लिए अपनी सायकल से गए थे।'

अरे राजा तुम हो 'गुरूजी ने पहचान लिया!' हां गुरूजी, मैं राजा हूं। ...मेरे कारण आपको उस दिन अधिकारी से डांट खाना पड़ा था।

छोड़ो पुरानी बातें।... अभी क्या करते हो? उस दिन से मैंने कभी पढ़ाई नहीं छोड़ी। मंत्रालय में नौकरी पा गया हूं। गुरुजी के मन को बड़ी शांति मिली और कहा 'बेटा उस दिन जो मेरे ऊपर कार्यवाही हुई थी आज सार्थक हो गया। सदा उन्नती करो बेटा। मन प्रसन्न हो गया।'

शिक्षक वह सड़क है|
जो विद्यार्थी को,
गंतव्य तक पहुंचाता है|
शिक्षक वह कुम्हार है|
जो विद्यार्थी रूपी घड़े को,
थापे देकर सही रुप देता है|
शिक्षक वह सुनार है|
जो विद्यार्थी रूपी सोने को,
काट कर, ठोक कर
सुंदर आकृति देता है।
जब विद्यार्थी कुछ पा लेता है,
तब शिक्षक को लगता है।
मेरी मेहनत सार्थक हो गई|
मेरी मेहनत सार्थक हो गई|

डॉ. गिरधारी लाल लोधी,
सहायक प्राध्यापक,
हिंदी विभाग, कला संकाय,

मेरी परीक्षा

जब भी किसी की जुबान पर उसका नाम आता है
यूं ही अचनक मेरा दिल मचल जाता है,
मैं एक अंजनी ख्वाबों में खो जाता हूं ,
बेचैन सा हो जाता है जब भी उसकी याद आती है
बहुत सताती है बहुत रूलाती है
नींद को भी कोसों दूर भगा जाती है,
न तो या कोई मेरी ऐहिक इच्चा है ,
अरे ! शाखस वह कोई और
नहीं वह तो मेरी परीक्षा है।

राजेंद्र कुमार पटेल
सहायक प्राध्यापक, मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग

झॉंक कर देखो

है कोई बूँद समंदर भी झाँक के देखो
कभी तो लफ़्ज़ के अंदर भी झाँक के देखो
सिर्फ़ सड़कें ही न देखो ग़ज़ल की वादी में
मेरे ख़्याल के मंज़र भी झाँक के देखो
हवा के रूख़ पे ओ मस्तूल तानने वालों
खुला है या नहीं लंगर भी झाँक के देखो
न फूलो देख के हाथों में उनके गुलदस्ते
छुपा गुलों में है खंजर भी झाँक के देखो
ज़मीं को जंग में करना फ़तह मगर पहले है
इसमें दफ़्न सिकंदर भी झाँक के देखो

डॉ. मनीष वर्मा
डीन, कला संकाय

TEACHER

We the teacher
Ensuring good future
Academically qualified
Persona dignified
Quality teaching and learning
Consistently inspiring
Need to be skillful
Features plentiful
Technologically advance
Portray discipline diligence
Knowledge updated
Otherwise backdated
Always inquisitive
Logical and curative
Ethical and dutiful
Visionary cheerful
Socially culturally strong
Open mind and young

Dr. A K Sarkar
IQAC - Coordinator

जब सैलाब आयेगा...
जब सैलाब आयेगा तो तुमसे भी पूंछा जाएगा।
कहाँ थे तुम जब दुनियाँ डूब रही थी।
कहाँ थे तुम जब हजारों चूल्हे बूझ रहे थे।
कहाँ थे तुम जब हजारों के पेटों में आग लग रही थी।
कहाँ थे तुम जब छोटे बच्चों की लाशें तैर रही थी.
बुझे हुये उन्हीं चूल्हों के पास जहाँ वो रौशन हुई थी।
कहाँ थे तुम जब माँयें अपने को बचाती या अपने बच्चों को।
कहाँ थे तुम जब हजारों मवेशी बह रहे थे पानी में
जिन्हें तुमने अपने बच्चों की तरह पाला था।
कहाँ थे तुम जब बूढ़ी-बूढ़े डूब रहे थे और जवान भाग रहे थे.
अपने को बचाने में और खुद भी डूब जाने में...
कहाँ थे तुम जब दुनियाँ डूब रही थी...

डॉ नरेश गौतम
सहायक प्राध्यापक, समाज कार्य विभाग

चेतना

चेतना के बिना मैं मानव नहीं हो सकता ,
संवेदनहीन होकर यूँ नेपथ्य में नहीं खो सकता |
भला तुमने पत्थरों को गीत गाते देखा है ?
क्या तुमने उन्हें बेझिझक मुस्कुराते देखा है ?
देखा है क्या पर्वतों को ख़ुशी से झूमते हुए?
यूँ यहाँ-वहां जहाँ-तहाँ घुमते हुए ?
नहीं ना, क्योंकि वे संवेदनहीन हैं ,
वे ईश्वर की कृति तो हैं, पर स्वयं कृतित्वहीन हैं |
वे नहीं देते किसी की ढाढस, नहीं लगाते गले,
रोने वालों को सांत्वना नहीं देते, हंसनें वालों के साथ नहीं हँसते |
क्योंकि वे जड़ हैं, वे गतिशून्य हैं ,
चेतन नहीं हैं वे, भले ही प्रकृतिजन्य हैं ||
तुम्हारी भावनाओं ने ही तो तुम्हे मानव बनाया ,
प्रसन्नता के पलों में खुल कर हँसना सिखाया,
दुखों को जीतने के लिए दो आंसू बहाना,
फिर बड़ी कोशिश करना और जीत जाना,
यहीं तो मिला है प्रकृति से विशेष ,
वरना रक्त हाड़-मांस सब में हैं शेष ,
हे मानव! तू विशेष है कि तू चेतना के अधीन है,
वरना पर्वत को देखा है, बड़ा होकर भी चेतनाहीन है |
तो फिर हंसो, मुस्कुरा लो,
किसी का साथ दे लो, किसी के साथ गा लो ,
लोग तुम्हारी कोशिशों पर तंज कसेंगे ,
होड़ नहीं कर पाए तो रंज रहेंगे ,
भूल जायेंगे मानव होने का ज्ञान,
इनकी चिंता ही क्या? तू इन्हें मृत ही जान,
तू ईश्वर की कृति है , ईश्वर तुझमें ही लीन है,
क्योंकि तू चेतन है, न कि संवेदनहीन है ||

डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय
विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग

Endurance of Humanity

Kingdom of humanity is glory and grandeur
Fellow-feeling and compassion is its character
Love and affection are inseparable in humanity
Resistance to evil imparts efficiency and ability.

Humanity serve each individual according to their need
It's the divine furnace extinguishes all evils in speed
Infusing love in the environment finds valorous expression
It's flourishes vigorously with direct perception.

Highest rational quality in the universe is humanity
Makes always life positive approach to establish a good society
Humanity teaches integration in human civilization
It's a meaningful purpose in the world for beautification.

Humanity elevate and enlighten the individual and
removing their ignorance
Improving understanding power for life sustenance
It can bind the human race for a healthy society
It uphold and protect the existence towards divinity.

Ayushi Tiwari
Asst. Prof. Dept of English Literature

उमंग

जागो हे दिनकर के किरणों दुनिया को नई शक्ति दो
इनकी आलस्यता दूर करो, दूर करो इन ठंडी लहरों को
जागो हे दिनकर के किरणों और जगा दो,
इन मुरझाई फूलों को इन झुकी हुई लताओं को
इन रूठे हुए नीर को।
इस देश की शक्ति में नई उमंग भरो, लाओ इनमे नई प्रेरणा नई संकल्प को,
फिर से लाओ वो संस्कृति,जिसमे गाई जाती थी राम की गाथा
एकलव्य जैसे शिष्य थे और थी कृष्ण की लीला।
ला दो फिर से वो प्रेरणा जो याद दिलाती है महापुरषों की जहां आजाद,
भगत सिंह हमारी प्रेरणा और धरती हमारी माता।
ऐसी नई दुनिया नया संसार बनाओ, जिसे देख वो ईश्वर भी कहे,
ये है मेरी दुनिया, ये है मेरे बच्चे जिन्हें बनाया है हाथों से मैंने अपने ।।

संध्या गजपाल.

अरुणिमा सिन्हा : माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली पहली विकलांग महिला

"
अभी तो इस बाज की असली उड़ान बाकी है,
अभी तो इस परिंदे का इम्तिहान बाकी है।
अभी अभी तो मैंने लांघा है समंदरों को,
अभी तो पूरा आसमान बाकी है!!! "

अरुणिमा सिन्हा 11 अप्रैल 2011 को पद्मावती एक्सप्रेस से लखनऊ से दिल्ली जा रही थी। रात के लगभग एक बजे कुछ शातिर अपराधी ट्रेन के डिब्बो में दाखिल हुए और अरुणिमा सिन्हा को अकेला देखकर उनके गले की चैन छिनने का प्रयास करने लगे जिसका विरोध अरुणिमा सिन्हा ने किया तो उन अपराधियों ने अरुणिमा सिन्हा को बरेली के पास चलती हुई ट्रेन से बाहर फेक दिया, जिसकी वजह से अरुणिमा सिन्हा का बाया पैर पटरियों के बीच में आ जाने से कट गया। पूरी रात अरुणिमा सिन्हा कटे हुए पैर के साथ दर्द से चीखती चिल्लाती रही, लगभग 40 – 50 ट्रैन गुजरने के बाद पूरी तरह से अरुणिमा सिन्हा अपने जीवन की आस खो चुकी थी, किन्तु अरुणिमा सिन्हा की किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। फिर लोगो को इस घटना के संबंध में पता चलने के बाद इन्हें नई दिल्ली के आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया जहाँ अरुणिमा सिन्हा अपने जिंदगी और मौत से लगभग चार महीने तक लड़ती रही। अंततः जंग में अरुणिमा सिन्हा की जीत हुई और फिर अरुणिमा सिन्हा के बाये पैर को कृत्रिम पैर के सहारे जोड़ दिया गया।

जिजीविषा- अरुणिमा सिन्हा के इस हालत को देखकर डॉक्टर भी हार मान चुके थे और उन्हें आराम करने की सलाह दे रहे थे, जबकि परिवार वाले और रिस्तेदारों की नजर में अब अरुणिमा सिन्हा कमजोर और विकलांग हो चुकी थी लेकिन अरुणिमा सिन्हा ने अपने हौसलो में कोई कमी नहीं आने दी और किसी के आगे खुद को बेबस और लाचार घोषित नहीं करना चाहती थी। 'मंजिल मिल ही जाएगी भटकते हुए ही सही, गुमराह तो वो हैं जो घर से निकले ही नहीं'-अरुणिमा ने इस मंत्र का अनुकरण किया। युवाओं के जीवन में किसी भी प्रकार के अभाव के चलते निराशापूर्ण जीवन जी रहे लोगों में प्रेरणा और उत्साह जगाने के लिए उन्होंने अब दुनिया के सभी सातों महाद्वीपों की सबसे ऊंची चोटियों को लांघने का लक्ष्य तय किया है। इस क्रम में वे अब तक अफ्रीका की किलिमंजारो (Kilimanjaro: To the Roof of Africa) और यूरोप की एलब्रुस चोटी (Mount Elbrus) पर तिरंगा लहरा चुकी है। आपराधिक नरपशुता की शिकार इस साक्षात दुर्गा ने विलक्षण जीवटता का परिचय देते हुए 21 मई 2013 को दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (29030 फुट) को फतह कर एक नया इतिहास रचते हुए ऐसा करने वाली पहली विकलांग भारतीय महिला होने का रिकार्ड अपने नाम कर लिया। दोस्तों अरुणिमा अगर हार मानकर और लाचार होकर घर पर बैठ जाती तो आज वह अपने घर-परिवार के लोगों पर बोझ होती। सम्पूर्ण जीवन उन्हें दूसरों के सहारे गुजारना पड़ता, लेकिन उनके बुलंद हौसले और आत्मविश्वास ने उन्हें टूटने से बचा लिया। दोस्तों मुश्किलें तो हर इंशान के जीवन में आतीं हैं, लेकिन विजयी वही होता है जो उन मुश्किलों से बुलन्द हौसलों के साथ डटकर मुकाबला करता है। अरुणिमा सिन्हा हमारे देश की शान है और हमें उनसे जीवन में आने वाले दुःखों और कठिनाइयों से लड़ने की प्रेरणा लेनी चाहिए। अरुणिमा ने सिद्ध कर दिया कि अगर इंसान सच्चे दिल से चाहे तो क्या कुछ नहीं कर सकता। चाहे वह औरत हो या पुरुष अथवा फिर कोई विकलांग। अरुणिमा का कहना है कि-" इंसान शरीर से विकलांग नहीं होता बल्कि मानसिकता से विकलांग होता है"। अरुणिमा की इच्छा है की वह विश्व की सबसे ऊंची चोटियों को फतह करें। ट्रेन दुर्घटना से पूर्व उन्होने कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य की वॉलीबाल और फुटबॉल टीमों में प्रतिनिधित्व किया है।

सम्मान/ पुरस्कार - अपने अदम्य साहस और अतिमानवीय अध्यवसाय के लिए उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर जिले के भारत भारती संस्था ने विलक्षण नारी शक्ति की पर्याय अरुणिमा सिन्हा को 'सुल्तानपुर रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया और सन 2016 में अरुणिमा सिन्हा को अम्बेडकरनगर महोत्सव समिति के द्वारा 'अम्बेडकरनगर रत्न' सम्मान से नवाजा गया।

निक वुजिसिस : बिना हाथ पैर के ज़िंदगी की जंग को जितने वाला...

> "सफलता उनको मिलती है,
> जिनके सपनों में जान होती है।
> पंख होने से कुछ नहीं होता,
> हौसलों में ही उड़ान होती हैं।।"

सन् 1982 में मेलबोर्न, ऑस्ट्रेलिया में जन्में निक वुजिसिस का जन्म ही बिना हाथों और पैरों के हुआ था। कई डॉक्टर उनके इस विकार को सुधारने में असफल हुए। और आज भी निक अपना जीवन बिना हाथ और पैरो के ही जी रहे है। एक पूर्ण विकलांग व्यक्ति के लिए प्रारंभिक जीवन बिताना काफी मुश्किल था, बचपन से ही उन्हें काफी शारीरिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था लेकिन उन्होंने कभी अपने इस विकार से हार नहीं मानी और हमेशा वे औरो की तरह ज़िन्दगी को जीने की कोशिश करते रहे।निक को हमेशा आश्चर्य होता था कि वे दूसरो से अलग क्यू है ? वे बार-बार अपने जीवन के मकसद को लेकर प्रश्न पूछा करते थे की क्या उनका कोई उद्देश्य है अथवा नहीं ? ऐसे प्रश्न उन्हें प्रयः परेशान किया करते थे।

निक के अनुसार, आज उनकी ताकत और उनकी उपलब्धियों का पूरा श्रेय भगवान पर बने उनके अटूट विश्वास को जाता है। उन्होंने बताया की अपने जीवन में वे अब तक जिस किसी से मिले फिर चाहे वह दोस्त हो, रिश्तेदार हो या सहकर्मी, उन सभी ने उन्हें अत्याधिक प्रेरित किया। 19 साल की आयु में अपने पहले भाषण से लेकर अब तक निक पुरे विश्व की यात्रा कर रहे है और अपने प्रेरणादायी व्याख्यानों से लोगो को प्रेरित कर रहे हैं। विश्व भर में आज निक के करोडों अनुयायी है, जो उन्हें देखकर प्रेरित होते हैं। अल्पायु में ही उन्होंने बहुत से पुरस्कार हासिल किये हैं। आज वे एक लेखक, संगीतकार, कलाकार के रूप में व्याख्यात हैं , साथ ही उनको फिशिंग, पेंटिंग और स्विमिंग में भी काफी रूचि है।

आत्मनिर्भर बनने की ज़िद : निक के माता-पिता उन्हें हर तरह से आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। छोटी उम्र से ही निक के माता-पिता उन्हें पानी में तैरना सिखाने लगे, छः साल की उम्र में उन्हें पंजे की सहायता से टाइप करना सिखाने लगे, विशेषज्ञों की मदद से उन्होंने निक के लिए प्लास्टिक का ऐसा डिवाइस बनवाया जिनकी सहायता से निक ने पेंसिल व पेन पकड़ना व लिखना सीखा।निक के माता-पिता ने निक को स्पेशल स्कूल में भेजने से मना कर दिया। वो चाहते थे कि निक सामान्य स्कूल में सामान्य बच्चों के साथ ही पढ़े, इसमें बहुत सी मुश्किलें आई लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। सामान्य बच्चों के साथ पढ़ने-लिखने और काम का ये लाभ हुआ कि निक उन्हीं की तरह काम करने लगे।

निक ने किया आत्महत्या का प्रयास : मित्रों, परेशानियाँ तो एक अच्छे-ख़ासे स्वस्थ व्यक्ति को तोड़कर रख देती हैं। निक को पढ़ाई, खेल-कूद व अपना दैनिक काम करने में बड़ी परेशानी होती थी। स्कूल में बच्चे भी उसका मज़ाक उड़ाते थे, इन सब चीज़ों से मायूस व दुखी होकर दस वर्ष की उम्र में एक बार निक ने पानी के टब में डूबकर आत्महत्या तक करने की कोशिश की लेकिन उसके माता-पिता के प्यार और प्रोत्साहन ने उन्हें ऐसा करने से रोक लिया तथा आगे बढ़ने का हौसला प्रदान किया।

बदली जीवन की दिशा : जब निक तेरह साल के थे तो एक दिन उनकी माँ ने अख़बार में प्रकाशित एक लेख उन्हें पढ़कर सुनाया, जिसमें एक विकलांग व्यक्ति के संघर्ष और सफलता की कहानी थी। निक को अहसास हुआ कि दुनिया में वो अकेला विकलांग नहीं है और परिश्रम व संघर्ष के द्वारा आगे बढ़ा जा सकता है। उसके बाद उनके जीवन की दिशा ही बदल गई। उन्हें महसूस हुआ कि ईश्वर ने उन्हें कुछ अलग करने के लिए ही ऐसी स्थिति में डाला है। निक को स्वयं प्रेरणा व प्रोत्साहन की आवश्यकता थी लेकिन उन्होंने संकल्प लिया कि वो स्वयं लोगों को प्रेरणा व प्रोत्साहन प्रदान करेंगे, जिससे लोगों में व्याप्त निराशा एवं अकर्मण्यता दूर हो सके और वे उत्साहपूर्वक कार्य करते हुए अच्छी तरह से जीवन व्यतीत कर सकें।

शिक्षा एवं व्यवसाय : उन्होंने क्वींसलैंड के ग्रिफिथ विश्वविद्यालय से' एकाउंटिंग एवं फाइनेंसियल प्लानिंग में स्नातक की उपाधि हासिल की। जब निक 17 साल के हुए तो वे अपने चर्च समूह में भाषण देना शुरू किया। एक वक्ता के रूप में, वह मुख्य रूप से स्कूल के बच्चों, युवाओं, वयस्कों और कामकाजी पेशेवरों को संबोधित करते है। उन्होंने दुनियाभर के विविध चर्चो में संबोधित किया, क्योंकि उनका मानना है कि ईसा मसीह उनसे प्यार करते है। सन् 1982 2008 में निक ने अमेरिका के एक टीवी शो 20/20 के लिए साक्षात्कार दिया। 2009 में निक ने एक लघुचित्र वृत 'द बटरफ्लाई सर्कस' में काम किया, जिसे कई पुरस्कार मिले। 2010 में निक ने 'लाइफ विथाउट लिमिट्स : इंस्पिरेशन फॉर अ रिडिक्युलसली गुड लाइफ' नाम की किताब लिखी और वे अब तक 7 किताब लिख चुके है। निक की अदम्य इक्छा शक्ति हमें आजीवन प्ररित करती रहेगी।

विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा बनाये कलाकृति

क्या आप दो कोर्स एक साथ करना चाहते है

We are offering

DUAL DEGREE

- **B.Com. + B.B.A.**
- **M.Com. + M.B.A.**
- **B.A. + B.B.A.**
- **M.A. + M.B.A.**
- **M.Tech. + M.B.A.**
- **M.Sc. + M.B.A.**
- **M.Sc. + M.C.A.**
- **M.A. + L.L.B.**
- **M.Sc. + L.L.B.**
- **M.B.A. + L.L.B.**
- **B.A. / B.Sc. + B.A. / B.Sc.**
  (Fashion Design / Interior Design)

इनके अतिरिक्त अन्य विकल्प भी उपलब्ध है

** Subjected to fulfillment of eligibility criteria

"शिक्षा का मुख्य कार्य मनुष्य के भीतर नये-नये विचार उत्पन्न करना है।
ईश्वर ने मानव मस्तिष्क में अपार ऊर्जा एवं योग्यता दी है।
शिक्षा इन शक्तियों को प्रयोग में लाने में मदद करती है।"

www.sruraipur.ac.in

Campus Address

NH-30, Post Mana, New Dhamtari Road, Raipur (C.G.), India
Contact us : 7222910411
www.sruraipur.ac.in sruraipurindia shrirawatpurasarkar